मुंबई (महाराष्ट्र) से प्रकाशित
उत्तरशक्ति
हिन्दी दैनिक
हर खबर निष्पक्षता के साथ
मुंबई
वर्ष: 7 अंक 153
मंगलवार, 17 दिसम्बर 2024
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshakti.co.in

विपक्षी सांसदों का आरोप, देश में आपातकाल जैसी स्थिति, सरकार कर रही देश के संघीय ढांचे पर हमला

नई दिल्ली, 16 दिसम्बर। राज्यसभा में विपक्षी सांसदों ने सोमवार को सरकार पर संघीय ढांचे पर हमला करने और संवैधानिक निकायों को कमजोर करने का आरोप लगाया। इसके साथ ही उन्होंने दावा किया कि देश में आपातकाल जैसी स्थिति मौजूद है। बीजू जनता दल (बीजद) के देबाशीष सामंतराय ने कहा कि संवैधानिक संस्थाओं को सरकार के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है। बता दें कि बीजद न तो सत्तारूढ़ एनडीए का हिस्सा है और न ही विपक्ष के साथ हैं। सरकार पर निशाना साधते हुए बीजद के देबाशीष सामंतराय ने कहा, संवैधानिक संस्थाओं को अब सरकार के लिए इस्तेमाल किया जाने लगा है। कोई भी बिना कारण बताए सलाखों के पीछे जा सकता है। हम आपातकाल की बात करते हैं, लेकिन भारत में अघोषित आपातकाल है। संविधान कहीं न कहीं पटरी से उतर गया है। हममें से कोई भी इसे संबोधित करने को तैयार नहीं है।

तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सांसद साकेत गोखेल ने आरोप लगाया कि एनडीए सरकार के तहत लोगों को न्याय से वंचित रखा जा रहा है। उन्होंने सरकार पर संविधान को नष्ट करने का आरोप लगाया। टीएमसी सांसद ने कहा, अन्याय मोदी सरकार की पहचान रही है। पीएम मोदी बंगाल में 21 लाख मनरेगा श्रमिकों को न्याय देने के अपने रिकॉर्ड का बचाव कैसे करेंगे? उन्होंने काम तो किया, लेकिन उन्हें तीन साल से भुगतान नहीं किया गया। इसका कारण यह है कि मोदी सरकार ने बंगाल का बकाया रोक लिया है, क्योंकि उनकी पार्टी यहां चुनाव हार गई है। उन्होंने कहा, बिलकिस बानो के दुष्कर्मियों को इस सरकार ने रिहा कर दिया। उमर खालिद, खालिद सैफी जैसे कई सरकार के खिलाफ बोलने के लिए जेल में हैं। दिल्ली सीमा के बाहर 750 किसानों की मौत हो गई। मुझे इस सरकार के तहत न्याय का अनुभव करने का व्यक्तिगत सौभाग्य प्राप्त हुआ है। मुझे 155 दिनों तक गुजरात की जेल में बंद रखा गया।ै इसके साथ ही उन्होंने आरोप लगाया कि अल्पसंख्यकों का हर दिन अत्याचार हो रहा है। टीएमसी सांसद ने कहा, कहां है सामाजिक न्याय? अल्पसंख्यकों का हर दिन अत्याचार हो रहा है। पीएम मोदी ने लोकसभा चुनाव के दौरान जहरीला सांप्रदायिक अभियान चलाया। आर्थिक न्याय कहां है? न तो युवाओं के पास नौकरी है और न ही परिवार के पास पैसा। राजनीतिक न्याय कहां है? सीबीआई और ईडी के जरिए विपक्षी नेताओं को धमकाया जा रहा है।

सड़क हादसे में चार महिलाओं समेत छह लोगों की मौत, सात अन्य घायल

बालोद, 16 दिसम्बर। छत्तीसगढ़ के बालोद जिले में सड़क हादसे में चार महिलाओं समेत छह लोगों की मौत हो गई है तथा सात अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। पुलिस अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि घटना रविवार देर रात डौंडी थाना क्षेत्र के चोरहापड़ाव गांव के निकट की है जब एक ट्रक ने स्पोर्ट्स यूटिलिटी व्हीकल्स (एसयूवी) को टक्कर मार दी। उन्होंने बताया कि हादसे में कार सवार दुर्पत प्रजापति (30), सुमित्रा बाई (50), मनीषा कुम्भकार (35), सगुन बाई (50), ईमला बाई (55) और जिग्नेश (सात) की मौत हो गई तथा सात अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि ये सभी गुरेदा गांव के निवासी थे और डौंडी गांव में नामकरण संस्कार कार्यक्रम में शामिल होने के बाद वापस लौट रहे थे। अधिकारियों ने बताया कि घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस दल को मौके के लिए रवाना किया और शवों तथा घायलों को अस्पताल पहुंचाया। उन्होंने बताया कि घायलों को डौंडी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में प्राथमिक उपचार के बाद राजनांदगांव जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है तथा जांच की जा रही है।

सपा का लखनऊ में विधानसभा सत्र शुरू होते ही हंगामा

लखनऊ, 16 दिसम्बर। लखनऊ में यूपी विधानमंडल का सत्र शुरू होने से पहले समाजवादी पार्टी के विधान सभा और विधान परिषद सदस्यों ने विधानसभा में एकजुट होकर चौधरी चरण सिंह की प्रतिमा के पास प्रदर्शन किया। उन्होंने नारेबाजी करते हुए सरकार को घेरा। फसलों की एमएसपी का वादा अधूरा, बेरोजगारी से युवा बर्बाद, पेपर लीक से नौजवान में बेहाल, पुलिस अत्याचार व अन्य मुद्दों पर नारे लिखी तख्तियां हाथों में लेकर जमकर नारेबाजी की। इसके बाद जब सत्र की शुरूआत हुई तो जैसा कि पहला दिन हंगामेदार होने की उम्मीद थी। वैसा ही हुआ। सपा नेताओं ने नारेबाजी करते हुए हंगामा शुरू कर दिया। विधानसभा अध्यक्ष उन्हें समझाते रहे। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि तीन साल के उनके कार्यकाल में पहली बार सदन को स्थगित करना पड़ा है। समाजवादी पार्टी के सदस्य वेल में धरने पर बैठ गए थे। अध्यक्ष के बार-बार कहने के बाद भी जब विपक्ष ने हंगामा शांत नहीं किया, तो सदन की कार्यवाही 12 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई।

विधानमंडल अध्यक्ष ने कड़े शब्दों में कहा कि आप लोगों के पास पूछने के लिए सवाल नहीं हैं, इसलिए आप लोग हंगामा कर रहे है। आप जो चाहें हम हर मुद्दा सुनने के लिए तैयार हैं। सदन में अध्यक्ष नेता प्रतिपक्ष सहित अन्य सदस्यों से सवाल पूछने के कहते रहे।

कुर्सी बचाने के लिए कानून में संशोधन करना ही कांग्रेस का चेहरा: निर्मला सीतारमण

नई दिल्ली, 16 दिसम्बर। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने संविधान के 75 साल पूरे होने पर राज्यसभा में चर्चा की शुरूआत करते हुए कहा कि भारत का संविधान समय की कसौटी पर खरा उतरा है। वित्त मंत्री ने संविधान की 75 साल की यात्रा को उल्लेखनीय बताते हुए कहा कि संविधान में समय समय पर संशोधन हुए, संविधान ने संकट का दौर भी देखा। वित्त मंत्री सीतारमण ने राज्यसभा में कहा कि कांग्रेस परिवार और वंशवाद की मदद के लिए संविधान में संशोधन करती रही। सीतारमण ने राज्यसभा में कांग्रेस पर हमला बोलते हुए कहा कि कांग्रेस ने संविधाान में जो संशोधन किए वह लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए नहीं बल्कि सत्ता में बैठे लोगों की रक्षा के लिए थे। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने राज्यसभा में संविधान पर बहस के दौरान कहा, कांग्रेस एक परिवार, एक वंश की मदद के लिए बेशर्मी से संविधान में संशोधन करती रही। इस देश के पहले प्रधानमंत्री ने अपनी सरकार की प्रेस जांच की निंदा की, जबकि उन्होंने सार्वजनिक रूप से प्रेस की स्वतंत्रता की प्रशंसा की। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि मजरूह सुल्तानपुरी और बलराज साहनी दोनों को 1949 में जेल में डाल दिया गया था। 1949 में मिल मजदूरों के लिए आयोजित एक बैठक के दौरान मजरूह सुल्तानपुरी ने एक कविता पढ़ी जो जवाहरलाल नेहरू के खिलाफ लिखी गई थी और इसलिए उन्हें जेल जाना पड़ा। उन्होंने इसके लिए माफी मांगने से इनकार कर दिया और उन्हें जेल में डाल दिया गया। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर अंकुश लगाने का कांग्रेस का रिकॉर्ड इन दो लोगों तक ही सीमित नहीं है। 1975 में माइकल एडवर्ड्स द्वारा लिखी गई एक राजनीतिक जीवनी ऱ्नेहरूऱ पर प्रतिबंध लगा दिया गया था। उन्होंने किस्सा कुर्सी का नामक फिल्म पर भी सिर्फ इसलिए प्रतिबंध लगा दिया क्योंकि इसमें प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी और उनके बेटे पर सवाल उठाया गया था।

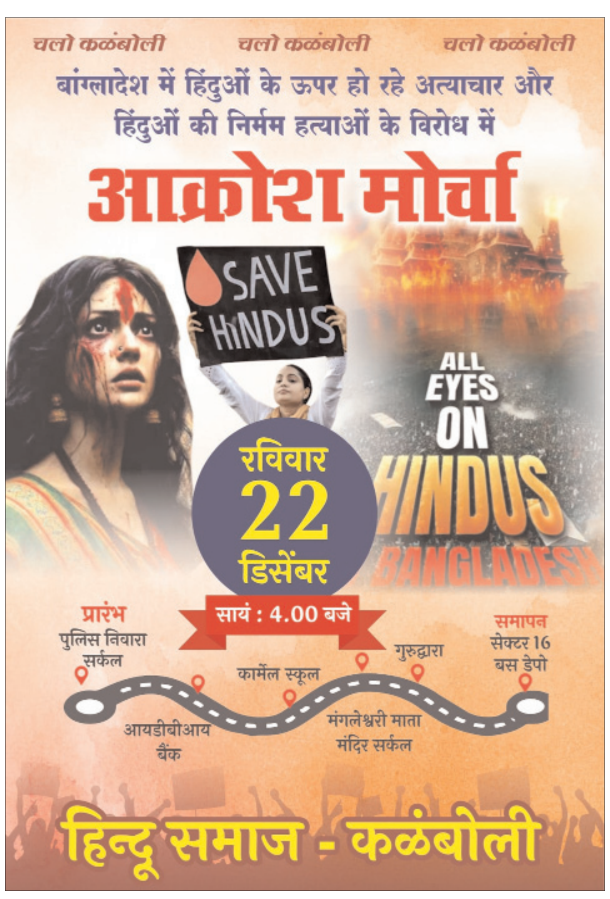

एक राष्ट्र, एक चुनाव लोकतंत्र के लिए खतरा: एमके स्टालिन

तमिलनाडु, 16 दिसम्बर। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की एक राष्ट्र, एक चुनाव नीति पर जोर देने की कड़ी आलोचना की है और इसे एक संघीय विरोधी कदम बताया है जो भारत के लोकतंत्र और विविधता को खतरे में डालता है। एक्स पर एक पोस्ट में स्टालिन ने भाजपा पर चुनाव सुधार की आड़ में एकात्मक शासन प्रणाली लागू करने का प्रयास करने का आरोप लगाया। स्टालिन ने कहा कि इंडिया संघीय-विरोधी और अव्यवहारिक 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' का विरोध करेगा क्योंकि यह देश को एकात्मक शासन प्रणाली के खतरों में धकेल देगा, जिससे इसकी विविधता और लोकतंत्र खत्म हो जाएगा। मुख्यमंत्री ने आगे आरोप लगाया कि भाजपा का अंतिम लक्ष्य राष्ट्रपति शासन व्यवस्था लागू करना है, जो उन्होंने कहा कि यह भारतीय संविधान की भावना के विपरीत है। स्टालिन ने तर्क दिया कि यदि प्रस्ताव पारित हो गया, तो समय-समय पर राज्य चुनावों की प्रणाली खत्म हो जाएगी, जिससे क्षेत्रीय भावनाएं कमजोर होंगी और भारत की विविधता नष्ट हो जाएगी। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि समय-समय पर चुनाव लोकतांत्रिक प्रक्रिया में महत्वपूर्ण जांच और संतुलन के रूप में काम करते हैं, जैसा कि संविधान निमार्ताओं ने कल्पना की थी। प्रस्तावित विधेयक, यदि पारित और कार्यान्वित होता है, तो देश को अराजकता और अधिनायकवाद में जाने से रोकने के लिए लगाए गए कानूनी नियंत्रण और संतुलन को हटा देगा। स्टालिन ने भाजपा पर इस तरह के महत्वपूर्ण कानून को पारित करने के लिए आवश्यक संसदीय बहुमत की कमी के बावजूद प्रस्ताव को आगे बढ़ाने का आरोप लगाया। उन्होंने इस कदम को राजनीतिक हिसाब बराबर करने और भारत की प्रगति में बाधक प्रमुख मुद्दों को संबोधित करने में सरकार की विफलताओं से ध्यान भटकाने का प्रयास बताया। प्रस्ताव के खिलाफ एकजुट मोर्चे का आह्वान करते हुए स्टालिन ने लोकतांत्रिक ताकतों से इस नीति का विरोध करने और भारत के संविधान की रक्षा करने का आग्रह किया।

मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्ख ने 31 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का उद्घाटन, शिलान्यास किया

हिमाचल प्रदेश। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने रविवार को सोलन जिले के नालागढ़ विधानसभा क्षेत्र में 31 करोड़ रुपये की लागत वाली विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने क्षेत्र की प्रगति के लिए सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई और भरोसा दिलाया कि वित्तीय समस्याएं क्षेत्र के विकास में बाधा नहीं बनेंगी। सुक्खू ने मित्तियां, बेहली, खल्लर और आसपास के क्षेत्रों के गांवों के लिए 7.24 करोड़ रुपये की लागत वाली पेयजल योजना का उद्घाटन किया। उन्होंने नालागढ़ के लिए 5.22 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित सात नलकूपों तथा क्षेत्र में 4.82 करोड़ रुपये की लागत से पेयजल सुधार परियोजनाओं का भी उद्घाटन किया। उन्होंने तीन पुलों की आधारशिला रखी, जिनमें 5.77 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित होने वाला कोटला कलां पुल, 4.44 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित होने वाला रेतार खड्ड पुल तथा 3.51 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित होने वाला भटौली खड्ड पुल शामिल हैं।

आरोप-प्रत्यारोप की भेंट चढ़ा संविधान पर चर्चा का सत्र

-ललित गर्ग

सर्वोच्च लोकतांत्रिक सदन लोकसभा संजीदा बहस की जगह हंगामे का केंद्र बनती जा रही है, जो दुर्भाग्यपूर्ण एवं विडम्बनापूर्ण है। जहां जनता से जुड़े मुद्दों पर सार्थक बहस की जगह शोर शराबा, हंगामा और सदन का स्थगित होना ही आम होता जा रहा है। यही बात लोकसभा में संविधान को लेकर हुई दो दिनों की बहस की चर्चा के दौरान देखने को मिली। संविधान निर्माण के 75वें वर्ष पर हुई यह चर्चा भी छिछालेदार, आरोप-प्रत्यारोप एवं उच्छृंखलता का माध्यम बनी, जबकि संविधान पर इस चर्चा से जनता को एवं देश को सही दिशा मिलनी चाहिए थी, संविधान के प्रति प्रतिबद्धता दोहरायी जानी चाहिए थी। संविधान जैसे सर्वाधिक महत्वपूर्ण विषय पर सार्थक बहस न होना लोकतंत्र को कमजोर करने एवं लोकतंत्र रूपी उजालों पर कालिख पोतना ही है। सत्तापक्ष और विपक्ष ने संविधान पर चर्चा के बहाने एक-दूसरे को कठघरे में खड़ा करने का काम करके आकाश पर पैबंद लगाने एवं सछिद्र नाव पर सवार होकर संविधान रूपी सागर की यात्रा करने का ही संकेत देकर देश की जनता को निराश ही किया है।

भले ही अपने तर्कों एवं तथ्यों से पक्ष एवं विपक्ष ने अतीत के प्रसंगों और विषयों को अधिक रेखांकित किया गया हो। निश्चित ही सत्ता पक्ष और विपक्ष के अलग-अलग नजरियों को स्पष्ट करने वाली यह बहस न केवल समकालीन राजनीतिक मुद्दों पर बल्कि लोकतंत्र, समाज और इतिहास से जुड़े कई महत्वपूर्ण पहलुओं को उजागर करने वाली रही, लेकिन इस बहस में आरक्षण, सावरकर, मनुस्मृति और अदाणी को शामिल करना विपक्ष की बुद्धि का दिवालियापन ही कहा जा सकता है। इनमें से अनेक प्रसंग और विषय ऐसे थे, जिन पर पहले भी किसी न किसी बहाने संसद के भीतर या बाहर चर्चा होती रही है। यह पहले से दिख रहा था कि विपक्ष संविधान पर चर्चा के बहाने यह बताने की कोशिश करेगा कि संविधान खतरे में है। लेकिन यह समझाने के लिए विपक्षी नेताओं के पास कोई मजबूत तर्क नहीं थे, वे यह स्पष्ट करने में विफल रहे कि आखिर संविधान को खतरा कैसे है? कांग्रेस संविधान पर चर्चा करते समय यह भी भूल गई कि वह यदि मोदी सरकार के एक दशक के कार्यकाल की गलतियां गिनायेगी तो उसे भी अपने चार दशकों के कार्यकाल की गलतियों हिसाब देना होगा। संविधान पर चर्चा के दौरान जैसे विपक्ष ने सत्तापक्ष पर आरोपों की झड़ी लगाई वैसे ही सत्तापक्ष ने भी विपक्ष पर आरोपों की बौछार की। लेकिन यह सब करते हुए पक्ष एवं विपक्ष ने संविधान की विशेषताओं को उजागर करने की सकारात्मकता की बजाय विध्वंसात्मक नीति का ही सहारा लिया।

जहां विपक्ष ने आरक्षण विरोधी आरोपों को दोहराते हुए कहा कि सत्ता पक्ष मूल रूप से आरक्षण की व्यवस्था के खिलाफ है और जब-तब दबे-छुपे ढंग से उसकी यह अंदरूनी इच्छा संघ और पार्टी के छोटे-बड़े नेताओं के बयानों से जाहिर होती रहती है। जवाब में खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्पष्ट किया कि आरक्षण की जो व्यवस्था अभी लागू है, उनकी सरकार उस पर आंच नहीं आने देगी, लेकिन धर्म के आधार पर आरक्षण देने की कोई भी कोशिश वह सफल नहीं होने देगी। जाहिर है, इसमें मतदाताओं को अपनी पाली में करने की दोनों पक्षों की कोशिश भी देखी और पहचानी जा सकती है। सत्तापक्ष और विपक्ष ने संविधान पर चर्चा के बहाने एक-दूसरे को कठघरे में खड़ा करने का काम ईर्ष्या और मात्सर्य की भावना से किया, जो तोड़-फोड़ की नीति में विश्वास को ही बल दे रहा था। लगता है कि विपक्षी नेता यह समझने को तैयार नहीं कि लोकसभा चुनाव के समय उन्होंने संविधान के खतरे में होने का जो हौवा खड़ा किया था, वह अब असरकारी नहीं रह गया है। विपक्ष के रवैये से यही लगा कि उसे यह बुनियादी बात समझने में मुश्किल हो रही है कि जाति जनगणना कराने-न कराने से संविधान की सेहत पर क्या असर पड़ने वाला है? कांग्रेस के लिये यदि जाति जनगणना इतनी ही आवश्यक है तो नेहरू, इंदिरा, राजीव गांधी और मनमोहन सिंह के कार्यकाल में क्यों नहीं कराई गई? अच्छा होता कि कांग्रेस नेता पहले इस प्रश्न का जवाब देते और फिर जाति जनगणना की आवश्यकता रेखांकित करते। लेकिन विपक्ष एवं विशेषकर कांग्रेस ऐसे मुद्दों को उछालकर खुद ही निरुत्तर होती रही है।

पूरी बहस में महापुरुषों को घसीटने का बिंदु ऐसा था जो न केवल बहस का जायका बिगाड़ने वाला कहा जा सकता है बल्कि यह निरुद्देश्यता एवं स्तरहीनता को ही दशार्ने वाला कहा जा सकता है। कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों को यह भी बताना चाहिए कि संविधान पर बहस करते समय सावरकर का नाम लेना और मनुस्मृति दिखाना क्यों आवश्यक हो गया था? कांग्रेस को यह समझ आ जाए तो बेहतर कि सावरकर, मनुस्मृति और अदाणी का उल्लेख करते रहने से उसे कोई राजनीतिक लाभ नहीं मिलने वाला। लोकतंत्र में सत्ता पक्ष और विपक्ष की तू-तू मैं-मैं चलती रहती है, लेकिन इसमें महापुरुषों को घसीटना अब बंद होना चाहिए। हमारे हर महापुरुष ने अपने समय, समाज और समझ की सीमाओं में रहते हुए कुछ ऐसा योगदान किया, जिसके लिए हम कृतज्ञ महसूस करते हैं। इसका मतलब उनके हर विचार से सहमति रखना या उनके हर कृत्य को समर्थन देना नहीं है। लेकिन उनके प्रति समाज की या उसके एक हिस्से की भी भावनाओं का सम्मान हमारी राजनीति का हिस्सा होना चाहिए।

सत्ता पक्ष ने इमरजेंसी का पुराना आरोप भी उछला, लेकिन नई बात यह रही कि इस पर बचाव की मुद्रा अपनाने के बजाय कांग्रेस इस तर्क के साथ सामने आई है कि भाजपा को भी अपनी गलतियों के लिए माफी मांगनी चाहिए। लेकिन यहां इमरजेंसी जैसी कोई भाजपा की गलती बताने में कांग्रेस नाकाम ही रही। एक और बड़ी विडम्बना यह देखने को मिली कि संविधान निर्माण को किसी दल विशेष की देन कहा गया जबकि संविधान निर्माण में सभी दलों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने विपक्ष पर विशेषतौर पर कांग्रेस पर जमकर हमला बोला और कहा कि पिछले कुछ वर्षों से देश में ऐसा माहौल बनाया गया है कि संविधान एक पार्टी की विशेष देन है, जबकि वास्तविकता यह है कि संविधान के निर्माण में बहुत से लोगों की भूमिका रही है जिसे पूरी तरह से नकार दिया गया। संविधान सभा ने जो संविधान तैयार किया था, वह केवल कानूनी दस्तावेज नहीं था, बल्कि वह जनआकांक्षाओं का प्रतिबिंब था। उन्होंने कहा कि संविधान पार्टी विशेष नहीं बल्कि राष्ट्र का है, पार्टी विशेष ने संविधान निर्माण को हाईजैक कर लिया।

निश्चित ही संविधान देश का सुरक्षा कवच है। लोकसभा में संविधान पर बहस की मूल आवश्यकता उन कारणों पर बुनियादी चर्चा की थी जिनके चलते संविधान निमार्ताओं के सपने अभी भी अधूरे हैं और नियम-कानूनों पर संविधान की मूल भावना के अनुरूप पालन नहीं हो पा रहा है। बहरहाल, इसमें शक नहीं कि बहस का केंद्र यही सवाल रहा कि कौन संविधान और संवैधानिक मूल्यों को लेकर समर्पित है और कौन इस पर दोहरा खेल खेल रहा है? नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने जहां सावरकर के सहारे भाजपा पर निशाना साधा वहीं प्रधानमंत्री मोदी ने देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित नेहरू की गलतियां गिनाईं। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने भाजपा पर हमला करते हुए कहा कि भाजपा ने संविधान के रूप में मिले सुरक्षा कवच को तोड़ा है। भारत का संविधान, संघ का विधान नहीं है। इसी बात को दोहराते हुए अखिलेश यादव ने केंद्र सरकार पर निशाना साधा और कहा कि आज देश की सीमाएं सुरक्षित नहीं हैं। विपक्ष के इन आरोपों में कितनी सच्चाई है यह तो देश एवं दुनिया भलीभांति देख रही है। मोदी के शासन में न केवल देश के भीतर शांति एवं अमनचैन बना है बल्कि सीमाओं पर भी सुरक्षा मजबूत हुई है। पडोसी देश भारत की ओर नजर करने का दुस्साहस नहीं कर पा रहे हैं तो इससे अधिक सीमा की सुरक्षा एवं देश की सुरक्षा क्या हो सकती है? उचित होता संविधान पर चर्चा के दौरान बहस के स्तर को ऊंचा उठाते हुए आरोप-प्रत्यारोप से बचते हुए संविधान को प्रभावी तरीके से लागू करने में सहायक बनने वाले बिंदुओं पर सहमति कायम की जाती।

अडानी-अंबानी के बड़े होने से उसका फायदा देश की अर्थव्यवस्था को ही होगा , फिर विरोध क्यों ?

अशोक भाटिया

अदाणी समूह पर अमेरिका में लगे आरोपों पर कंपनी की सेबी में फाइलिंग के बाद यह साफ हो गया है कि अमेरिका में डिपार्टमेंट ऑफ जस्टिस ने जो रिश्वतखोरी के आरोप लगे थे वे बेबुनियाद और गलत थे। इन आरोपों की खबर के बाद भारत में अदाणी के खिलाफ मौके की तलाश में बैठे राजनीतिक दलों को केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार को घेरने का मौका मिल गया था। अब जब आरोप गलत पाए गए हैं तब यह साफ हो रहा है कि देश में इस प्रकार की राजनीति प्रगति के मार्ग में बड़ा अवरोधक है। महाराष्ट्र में अभी हुए चुनाव में सत्ता में वापसी करने वाली शिवसेना की प्रवक्ता मनीषा कायंदे ने भी कहा है कि राहुल गांधी और उनकी गैंग उद्योगपतियों को टारगेट कर रहे हैं। ये सब बस मोदी जी को नीचा दिखाने के लिए और चिढ़ाने के लिए करते हैं। शिवसेना प्रवक्ता ने कहा कि जब उनकी सरकार थी वो खुद कॉन्ट्रैक्ट देते थे, अब महायुति की सरकार है तो ऐसी बात कर रहे हैं।

उदाहरणतः केरल में एक बंदरगाह बन रहा है जिसे गौतम अडानी की कंपनी बना रही है। बन रहे इस बंदरगाह का नाम वैसे तो विझिंजम पोर्ट है पर इसे अडानी पोर्ट के नाम से भी जाना जाता है। विझिंजम पोर्ट या अडानी पोर्ट देश का पहला ऐसा बंदरगाह होगा, जहां बड़े-बड़े कंटेनर जहाज आ सकेंगे। लेकिन इस पोर्ट को बनाने का विरोध भी होता रहा है। आपको बता दें कि केरल में समुद्री तट पर बसा एक छोटा सा गांव, तिरुवनंतपुरम से करीब 20 किलोमीटर दूर इस इलाके में लंबे समय से अडानी समूह का विरोध हो रहा। अडानी ग्रुप की विझिंजम अंतरराष्ट्रीय बंदरगाह परियोजना के लिए सौदे को 2015 में अंतिम रूप दिया गया था। मगर राज्य में कुछ मछुआरों ने इसका विरोध किया था। इसके बाद से निर्माण कार्य प्रमुख रूप से प्रभावित हुआ। इस बंदरगाह का निर्माण 75 हजार करोड़ रुपयों की लागत से हो रहा है। इस बंदरगाह का प्रस्ताव कांग्रेस और यूडीएफ के गठबंधन की सरकार के दौरान आया था। तब ओमन चांडी केरल के मुख्यमंत्री थे, उस समय भारत में डीप वॉटर पोर्ट भी नहीं था। इस समय बड़े कंटेनर जहाज दुबई, सिंगापुर और कोलंबो में ठहरते हैं। ये सभी भारत से आने-जाने वाला सामान के हब भी हैं।

दरअसल इस समय अडानी भारतीय राजनीति में एक बड़ा मुद्दा बन चुके हैं। कारोबारी पहले भी देश की राजनीति में मुद्दा होते थे ,लेकिन तब सिर्फ यह फर्क यह था कि टाटा, बिरला, बजाज, अंबानी या फिर अडानी की जगह अमेरिका की कोई डाऊ केमिकल, एनरान या रूस की रेसाटॉम (कुडनकुलम) और इटली के कारोबारी ओतावियो क्वात्रोची आदि मुद्दे होते थे। कहने का मतलब यह कि पहले भारतीय राजनीति में विदेशी कंपनियों के खिलाफ जनभावना दिखती थी।

इस समय हमारे यहाँ हब न होने के कारण हम दुबई, कोलंबो और सिंगापुर की 'मेहरबानी' पर निर्भर हैं। इस मेहरबानी के बदले हमें अच्छी खासी कीमत चुकानी पड़ती है। समुद्री रास्ते से चाहे कोई सामान भेजना हो या फिर लाना ही हो- इन्हीं तीन केन्द्रों पर निर्भरता है। ये तीनों केंद्र हमारे ही कारोबार की वजह से हब बने हुए हैं। सिर्फ इसी एक खूबी ने उन्हें हब बना दिया है। बिना नून-फिटकिरी लगाए तगड़ा मुनाफा कमाते हैं। यह उस देश की हालत है जो हजार साल पहले समुद्र पर राज करने की स्थिति की वजह से दुनिया के कारोबार का सबसे बड़ा केंद्र था। इस मामले में पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह और पूर्व वाम मुख्यमंत्री ओमान चांडी के प्रति देश को शुक्रगुजार होना चाहिए। उन्होंने मोदी सरकार से पहले ही जरूरत को ध्यान में रखते हुए बड़े बंदरगाह की रूपरेखा पर काम शुरू कर दिया था। काश कि मनमोहन से पहले हमारे पास कोई डीप वाटर पोर्ट बन गया होता।

अब जब केरल में मनमोहन की उसी योजना को मूर्त रूप दिया जा रहा है। अडानी पोर्ट से तो कायदे से दुबई, कोलंबो और सिंगापुर को परेशान होना चाहिए था। कोलंबो ही क्यों, कायदे से केरल पोर्ट से चीन को परेशान होना था। इसी वजह से चीन- श्रीलंका का इस्तेमाल हमें घेरने के लिए करता रहा है। वह कोलंबो में दुनिया का सबसे बड़ी पोर्ट सिटी बना रहा है ताकि समुद्र पर राज करते हुए भारत के कारोबारी हितों को नुकसान पहुंचा सके। लेकिन चीन, दुबई या फिर सिंगापुर तो भारत के पोर्ट का विरोध कर नहीं सकते। उन्हें सिंडिकेट की जरूरत पड़ेगी। अब सवाल तो किया ही जा सकता है कि क्या अडानी पोर्ट का विरोध करने के पीछे देश विरोधी ताकतें शामिल हैं?

विरोध करने वालों का तर्क रहा है कि अडानी पोर्ट से समुद्री तटों को नुकसान पहुंच रहा है। लोगों का ठीक से पुनर्वास नहीं हो पाया है। और भी आरोप हैं। कुल मिलाकर स्थानीय लोगों को पर्यावरण और जोरदार राहत पुनर्वास का लालच दिखाकर परियोजना तय होने के सालों बाद विरोध की आग को हवा दी जाती रही । अगर पुनर्वास और पर्यावरण ही मसला था तो प्रदर्शनकारियों को हिंसा की बजाए कोर्ट और दूसरे विकल्पों का सहारा लेना चाहिए। अभी हाल में हिंसा हुई और पता चला कि विरोध करने वाले, हाईकोर्ट के आदेश तक की अनदेखी कर रहे हैं। क्या यह गंभीर मसला नहीं है? यह भी कम दिलचस्प नहीं कि केरल पोर्ट के समर्थन में वहीं के स्थानीय लोग प्रदर्शन भी कर रहे हैं। लैटिन चर्च से अलग ईसाई ही पोर्ट को समर्थन वाले आंदोलन के अगुआ भी हैं। समर्थन करने वालों में मुस्लिम और हिंदू आबादी भी है। उन्हें मालूम है कि पोर्ट बनने के बाद सबसे ज्यादा फायदा उन्हें ही मिलने वाला है।

समझने वाली बात यह भी है कि पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने का जो तर्क गढ़ा गया- उसके दूसरे पहलू भी हैं। पोर्ट के लिए जिन तटों पर कुछ महीने पहले काम हुआ था, अब वे अपनी प्राकृतिक स्थिति में वापस आ चुके हैं। कोलंबो में चीन की मौजूदगी को देखते हुए केरल में पोर्ट बनाने के अलावा देश के पास कोई विकल्प भी नहीं है। शायद मोदी सरकार गंभीरता को समझ रही हो, तभी उसने इसे अन्य राज्यों से जोड़ने की पहल भी की है। मनमोहन सिंह के रूप में एक प्रधानमंत्री ने जरूरी प्रोजेक्ट अडानी को दिया। दूसरे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने केरल पोर्ट को विशाखापट्टनम पोर्ट और देश के दूसरे हिस्सों से जोड़ने के लिए विशाल हाइवे का नेटवर्क बना रहे हैं। राहुल गांधी और उनकी टीम का मानना है कि दक्षिण की परियोजनाओं से अब स्थानीय लोगों को नुकसान पहुंच रहा है। क्या है यह? राहुल एंड टीम क्या चाहती है। अडानी पोर्ट के विरोध में राहुल और कांग्रेस सीधे-सीधे नहीं दिख रहे, मगर उनकी भूमिका गंभीर है।कांग्रेस कई महीनों से संबंधित पोर्ट और उसे जोड़ने वाले हाइवे के निर्माण के विरोध की पटकथा लिखती रही है। प्रदर्शनकारियों को उकसा रही है, उन्हें सपोर्ट कर रही है। इसमें पर्यावरण का हवाला देते हुए दक्षिण की तमाम परियोजनाओं का विरोध किया गया था। केरल पोर्ट भी। सभी परियोजनाएं सीधे-सीधे चीन और अरब को प्रभावित करने वाली हैं। तमाम पर्यावरण कार्यकताओं को राहुल गांधी की यात्रा में साथ-साथ टहलते देख भी सकते हैं। विरोध में उन्हीं का सिंडिकेट है।

बहरहाल राहुल गांधी को अब अपनी ही परियोजनाओं को लेकर संदेह है और वे मानते हैं कि उनकी सरकार से गलती हुई। क्या केरल में पोर्ट बनाना भारत की गलती है या फिर चीन-दुबई के इशारे पर केरल में पोर्ट बनने देने से रोकना भारत की गलती होगी?केरल में पोर्ट बन जाने से अगर देश समुद्री कारोबार में विदेशी बिचौलियों से मुक्त हो जाएगा तो इससे किसी को क्यों दिक्कत होनी चाहिए? कोई बिजनेस विशेशज्ञ ज्यादा बेहतर तरीके से बता सकता है कि केरल पोर्ट से कैसे ना सिर्फ केरल बल्कि देश के दूसरे तमाम राज्यों को सीधा-सीधा फायदा मिलेगा। कितना विरोधाभास है कि राजनीति के लिए कांग्रेस को अपनी ही परियोजनाओं का विरोध करना पड़ रहा है। भाजपा दूसरे की परियोजना के लिए आगे आ रही है। यह भारतीय राजनीति की सबसे दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है। क्या महज सत्ता पाने भर के लिए कांग्रेस व्यापक देशहित को भी दांव पर लगाने को आमादा है अब।

अडानी एक कारोबारी हैं। राहुल गांधी लगभग गाली देने के अंदाज में उनकी आलोचना करते हैं और अगले दिन उन्हीं के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत राजस्थान में उनसे निवेश करवाते हैं। क्या अडानी की जगह कोई डाऊ केमिकल कोई क्वात्रोची देश में कारोबार करे तो कांग्रेस को ठीक लगेगा। कोई विजय माल्या कारोबार करे तो ठीक रहेगा, जो नेताओं की कृपा से सरकारी खजाने को लूटकर भाग जाता है। अडानी का पोर्ट तो यहीं पड़ा रहेगा। अगर अडानी जैसे देसी कारोबारी बड़े हो रहे हैं, उनका कारोबार देश विदेश में बढ़ रहा है तो यह अच्छी बात है। टाटा-अडानी-अंबानी के बड़े होने से उसका फायदा देश की अर्थव्यवस्था को मिलेगा।

बावजूद अडानी को आलोचना से परे नहीं रखना चाहिए। पर पहले यह बताइए कि केरल पोर्ट का ठेका उन्हें कैसे मिला? उनकी संपत्ति पर सवाल उठाने की बजाए अडानी ग्रुप नौकरियां दे रहा है कि नहीं, कर्मचारियों का शोषण तो नहीं कर रहा, लोगों की सैलरी समय पर मिल रही कि नहीं, कॉरपोरेट सोशल रेस्पोंसबिलिटी की दिशा में उचित काम कर रहा है कि नहीं, कर्मचारियों की स्ट्रेंथ पर्याप्त है कि नहीं, काम का दबाव तो नहीं है- ऐसे सवाल किए जाने चाहिए। अब ये क्या सवाल है कि अडानी की सम्पत्ति बढ़ती जा रही है। एक कारोबारी तो अपनी संपत्ति बढाने के लिए ही काम करता ही है। कांग्रेस और उसके सिंडिकेट ने जो नई परिपाटी शुरू कर दी है- चीजें उससे तहस-नहस हो जाएंगी। केरल पोर्ट का मामला एक केस स्टडी है। कांग्रेस, भाजपा, वाम या किसी भी पार्टी को चाहिए कि निजी राजनीतिक महत्वाकांक्षा के लिए हर चीज को राजनीति में ना घसीटा जाए। देश अब उतना मूर्ख नहीं रहा। लोग भले राहुल गांधी या नरेंद्र मोदी ना हों, पर बुद्धि उनके पास भी है। और वे चीजों के सभी पहलू को देख समझ सकते हैं।

बहुसंख्यकों की बात को हिन्दुओं की आवाज बताना सुनियोजित साजिश

-संजय सक्सेना

-संजय सक्सेना

विश्व हिन्दू परिषद के कार्यक्रम में इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायाधीश शेखर यादव द्वारा दिया गया संबोधन जज साहब के लिये गले की फांस बन गया है। दरअसल, 8 दिसंबर को प्रयागराज में विश्व हिंदू परिषद के एक कार्यक्रम में जस्टिस यादव ने समान नागरिक संहिता का समर्थन किया था। वायरल वीडियो में उन्होंने समान नागरिक संहिता (यूसीसी) के कार्यान्वयन का समर्थन किया और कहा कि कानूनों को बहुसंख्यकों की प्राथमिकताओं के अनुरूप होना चाहिए। उन्होंने कहा,ह्ये कहने में बिल्कुल गुरेज नहीं है कि ये हिंदुस्तान है। हिंदुस्तान में रहने वाले बहुसंख्यकों के अनुसार ही देश चलेगा। यही कानून है। आप यह भी नहीं कह सकते कि हाई कोर्ट के जस्टिस होकर ऐसा बोल रहे हैं। कानून तो भइया बहुसंख्यक से ही चलता है। परिवार में भी देखिए,समाज में भी देखिए, जहां पर अधिक लोग होते हैं, जो कहते हैं उसी को माना जाता है। जज साहब के इस बयान पर सियासी हो-हल्ला हुआ यह तो समझ में आता है लेकिन बड़ी अदालत यदि ऐसे किसी बयान को हिन्दुओं से जोड़कर कोई कदम उठाये तो समझ से परे हैं। जज शेखर यादव ने गलत नहीं कहा था कि कानून बहुसंख्यकों की प्राथमिकताओं के अनुरूप होना चाहिए। यदि जज साहब गलत हैं तो फिर हमारा लोकतंत्र कैसे सही हो सकता है,यह लोकतंत्र ही है जिसके अनुसार जब देश प्रदेश से लेकर गांवों तक में चुनाव होता है तो बहुसंख्यकों के वोट हासिल करके ही सरकार बनती है, जिसमें सभी समाज और धर्म के मतदाता शामिल होते हैं।यहां तक की कोर्ट की बहु सदस्यीय बेंच जब किसी मामले पर फैसला सुनाती है तो भी यही होता है। इसको एक उदाहरण से भी समझा जा सकता है। नवंबर 2019 में अयोध्या में प्रभु श्री राम का मंदिर पर सुप्रीम कोर्ट की पांच सदस्यीय बेंच ने बहुमत से फैसला सुनाया था।इसी को बहुसंख्यक कहा जायेगा। बहरहाल, सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने जज शेखर यादव को तलब कर लिया है। यह कॉलेजियम जिस न्यायाधीश के खिलाफ किसी विवादास्पद मुद्दे पर हाई कोर्ट से रिपोर्ट मांगती है तो उन्हें मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता में सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम के समक्ष अपना पक्ष रखने का अवसर दिया जाता है। सुप्रीम कोर्ट के सूत्रों ने बताया कि जस्टिस शेखर कुमार यादव को न्यायिक नीति की सीमा पार करने के आरोपों के खिलाफ अपना पक्ष रखने का मौका मिल सकता है।

खैर, विवादों में घिरे जज शेखर यादव का साथ मिला है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दो टूक कह दिया है कि जज साहब ने कुछ गलत नहीं बोला। हॉ योगी साहब ने अपनी बात कहते हुए राजनैतिक फायदे नुकसान का भी ध्यान रखा। इसी के सहारे योगी ने एक बार फिर हिंदुत्व यानि बहुसंख्यक समाज के मुद्दे पर कांग्रेस समेत विपक्ष को आईना दिखाया। उन्होंने हिंदू एकता, न्यायमूर्ति शेखर यादव और राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ के खिलाफ विपक्ष के रवैये पर तीखा हमला किया। सीएम ने खुले मंच से न्यायमूर्ति के बयान का समर्थन करते हुए कहा कि बहुसंख्यक समाज को मजबूत करने की बात करने वालों को अब धमकी दी जा रही है। भारत की विरासत के संवर्धन की बात विपक्ष को इतनी खलती है कि वह महाभियोग ले आते हैं। सीएम ने जनता से सच को दबाने वाले, संविधान का गला घोंटने वाले ऐसे दलों के लोगों की मानसिकता को उजागर करने की अपील की। योगी ने पहले मुंबई और फिर लखनऊ के एक कार्यक्रम में उपराष्ट्रपति और न्यायमूर्ति के मुद्दे पर खुले मंच से अपनी बात रखी है। सीएम ने कांग्रेस पर दोहरा चरित्र होने का आरोप लगाते हुए कहा कि जो लोग भारत का ठेका लेकर घूमते हैं और डिस्कवरी ऑफ इंडिया को भारत का सबसे प्राचीन ग्रंथ मानते हैं। वे संविधान के नाम पर पाखंड कर रहे हैं।उन्होंने कहा कि श्री राम जन्मभूमि को लेकर फैसला देने वाले जजों को आज तक धमकी मिल रही है। ऐसे ही विपक्ष राज्यसभा के सभापति के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाकर उनकी आवाज को दबाना चाहते हैं। विपक्ष को यह बात खल रही है कि किसान का पुत्र इस पद पर कैसे पहुंच गया। एक न्यायमूर्ति अगर एक नागरिक के रूप में सच्चाई को रखते हैं तो महाभियोग लाकर उनकी आवाज दबाने का प्रयास किया जाता है।

योगी ने गलत नहीं कहा कि देश में हर हाल में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू होना चाहिए। दुनिया में बहुसंख्यक समाज जो कहता है, व्यवस्था वैसे संचालित होती है। भारत की मंशा है कि अल्पसंख्यक व बहुसंख्यक का भेद समाप्त हो और सब लोगों पर समान कानून लागू होना चाहिए लेकिन विपक्ष को यह बात अच्छी नहीं लग रही है। ये लोग संविधान का गला घोंटकर जबरन अपने दम पर देश की व्यवस्था चलाना चाहते हैं। दबंगई से सच को दबाने की कोशिश करने वालों को एक्सपोज किए जाने की जरूरत है।

मुख्यमंत्री ने जज शेखर यादव के बयान के सहारे अपनी बात को सही साबित करने के लिये यह भी कहा कि संभल में 46 साल पहले जिनके(कांग्रेस)शासनकाल में जिस मंदिर को बंद कर दिया गया, वह मंदिर फिर से सबके सामने आ गया है। उन्होंने कहा कि 46 वर्ष पहले जिन दरिंदों ने संभल के अंदर नरसंहार किया था, उन्हें आज तक सजा क्यों नहीं मिली। संभल में जिनकी निर्मम हत्या हुई, उन निर्दोषों का क्या कसूर था। जो भी सच बोलेगा, उसे धमकी दी जाएगी, यह लोग उसका मुंह बंद कराने का प्रयास करते हैं।

जज शेखर यादव के ऊपर सबसे अधिक हमला टुकड़े-टुकड़े गैंग द्वारा किया जा रहा है,जो बहुसंख्यकों की आवाज को हिन्दुओं की आवाज बताने का प्रोपोगंडा करते हैं। वकील और कैंपेन फॉर ज्यूडिशियल अकाउंटेबिलिटी एंड रिफॉर्म्स के संयोजक प्रशांत भूषण ने मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) संजीव खन्ना को एक चिट्ठी लिखी। उन्होंने सीजेआई से इलाहाबाद हाई कोर्ट के न्यायाधीश के आचरण की इन-हाउस जांच की मांग की। उन्होंने दावा किया कि जज ने न्यायिक नैतिकता और निष्पक्षता और पंथनिरपेक्षता के संवैधानिक सिद्धांतों का उल्लंघन किया।उधर, सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश को आठ दिसंबर को माकपा नेता वृंदा करात ने भी चिट्ठी लिखकर जस्टिस यादव के भाषण को उनकी शपथ का उल्लंघन बताया। उन्होंने इस मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट से कार्रवाई की मांग की। बार एसोसिएशन ऑफ इंडिया ने हाई कोर्ट के न्यायाधीश के बयान की निंदा करते हुए एक प्रस्ताव पारित किया। उन्होंने इलाहाबाद हाई कोर्ट के जज से अपने बयान वापस लेने और माफी मांगने के लिए कहा। समाजवादी पार्टी के राज्यसभा सदस्य और वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल भी जज शेखर यादव के बयान से आग बबूला हैं। कुल मिलाकर बहुसंख्यक का मतलब सिर्फ हिन्दू और अल्पसंख्यक का अर्थ सिर्फ मुसलमान होने तक नहीं सीमित किया जा सकता है। बहुसंख्यक शब्द व्यापक है। बहुसंख्यक आबादी यदि यह कहती है कि उसके बच्चों को अच्छी शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा मिले, देश में महंगाई , भ्रष्टाचार कम हो, सबको रहने के लिये छत और भोजन मिले तो इसे हिन्दुओं की बात नहीं कहा जायेगा, यह देश की बहुसंख्यक आबादी की आवाज होगी।

घरेलू विवाद से झूठे दहेज के मामलों में उलझते पुरुष

-प्रियंका सौरभ

पुरुषों के अधिकारों से तात्पर्य कानूनी और सामाजिक अधिकारों से है, जो खास तौर पर पुरुषों के सामने आने वाली समस्याओं को सम्बोधित करते हैं। भारत में, जबकि महिला सशक्तिकरण पर ध्यान देना जरूरी है, पुरुषों की चुनौतियों पर अक्सर ध्यान नहीं दिया जाता है, जैसे कि धारा 498ए आईपीसी के तहत घरेलू हिंसा के मामलों में झूठे आरोप, मानसिक स्वास्थ्य सहायता की कमी और सीमित पैतृक अधिकार। साझा पालन-पोषण कानूनों के इर्द-गिर्द हाल की बहसें लैंगिक न्याय के लिए एक संतुलित दृष्टिकोण की आवश्यकता को उजागर करती हैं। भारत में पुरुषों के अधिकारों को अक्सर लैंगिक समानता पर व्यापक चर्चा में कम ध्यान दिया जाता है। घरेलू दुर्व्यवहार के शिकार के रूप में पुरुषों को कानूनी मान्यता नहीं मिलती है, जिससे सुरक्षा की मांग करना या दुर्व्यवहार के मामलों की रिपोर्ट करना चुनौतीपूर्ण हो जाता है। जीवनसाथी द्वारा भावनात्मक, वित्तीय या शारीरिक शोषण के शिकार पुरुषों को सामाजिक कलंक का सामना करना पड़ता है और घरेलू हिंसा से महिलाओं की सुरक्षा अधिनियम, 2005 जैसे मौजूदा ढाँचों के तहत कानूनी सहारा नहीं मिलता है।

पुरुषों से भावनाओं को दबाने की सामाजिक अपेक्षाएँ उनके मानसिक स्वास्थ्य की उपेक्षा करती हैं, जिससे आत्महत्या की दर और अनुपचारित मनोवैज्ञानिक समस्याएँ बढ़ती हैं। 2022 के एनसीआरबी के आंकड़ों से पता चलता है कि आत्महत्या के 72.5% मामले पुरुषों के हैं, जो लिंग-संवेदनशील मानसिक स्वास्थ्य नीतियों की आवश्यकता पर बल देता है। तलाक या अलगाव कानून मातृ हिरासत का पक्ष लेते हैं, पिता की भूमिका को हाशिए पर डालते हैं और बच्चे के पालन-पोषण में उन्हें समान अधिकारों से वंचित करते हैं। अभिभावक और वार्ड अधिनियम, 1890, मातृ हिरासत को प्राथमिकता देता है जब तक कि माँ को अयोग्य नहीं माना जाता है, जिससे माता-पिता की भागीदारी के लिए पिता के अवसर सीमित हो जाते हैं। धारा 498ए (दहेज उत्पीड़न) जैसे लिंग-विशिष्ट कानूनों का कभी-कभी दुरुपयोग किया जाता है, जिससे निर्दोष पुरुषों को प्रतिष्ठा, वित्तीय और भावनात्मक नुकसान होता है। राजेश शर्मा बनाम यूपी राज्य (2017) में, सुप्रीम कोर्ट ने धारा 498ए के दुरुपयोग को नोट किया और झूठे आरोपों के खिलाफ सुरक्षा उपाय पेश किए।

पुरुषों के पास शिकायतों को दूर करने के लिए समर्पित संस्थान या हेल्पलाइन का अभाव है सामाजिक रूढ़िवादिता पुरुषों को अपराधी के रूप में चित्रित करती है, संस्थागत दृष्टिकोण को प्रभावित करती है और कार्यस्थल पर दुर्व्यवहार या यौन उत्पीड़न जैसे मामलों में उचित उपचार को सीमित करती है। विशाखा दिशा-निर्देश केवल महिलाओं के लिए कार्यस्थल पर उत्पीड़न को कवर करते हैं, जिससे पुरुष पीड़ितों को भारतीय कानून के तहत समान सुरक्षा नहीं मिलती है। यौन शोषण के वयस्क पुरुष उत्तरजीवी कानूनी ढांचे में अपरिचित रहते हैं, जिससे उन्हें वैधानिक उपचार या संस्थागत सहायता से वंचित रखा जाता है। उदाहरण के लिए, आईपीसी की धारा 375 बलात्कार को केवल एक महिला के दृष्टिकोण से परिभाषित करती है, जिससे यौन उत्पीड़न के पुरुष उत्तरजीवी बिना किसी सहारे के रह जाते हैं। लिंग-तटस्थ कानूनों के लिए लिंग न्याय के लिए एक संतुलित दृष्टिकोण सुनिश्चित करने के लिए नीति सुधार।

घरेलू हिंसा अधिनियम और आईपीसी की धारा 498ए जैसे मौजूदा कानूनों को संशोधित करके उन्हें लिंग-तटस्थ बनाया जाए, जिससे घरेलू हिंसा और झूठे आरोपों के खिलाफ पुरुषों के लिए समान सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। कनाडा और यूके जैसे देशों में, घरेलू हिंसा कानून लिंग-तटस्थ हैं यह पैतृक शिकायतों को सम्बोधित करते हुए बच्चे के सर्वोत्तम हितों को बढ़ावा देता है। साझा पालन-पोषण की अवधारणा ऑस्ट्रेलिया में अच्छी तरह से स्थापित है, जो हिरासत के निर्णयों में दोनों माता-पिता के लिए समान विचार को अनिवार्य बनाती है। कार्यस्थल कल्याण कार्यक्रमों में मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं को एकीकृत करके और जागरूकता अभियान बनाकर पुरुषों के मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान केंद्रित करने वाली समर्पित नीतियाँ स्थापित करें। जापान ने तनाव कम करने को लक्षित करते हुए कार्यस्थल मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम शुरू किए हैं, जिन्हें लिंग-विशिष्ट चिंताओं को शामिल करने के लिए अनुकूलित किया जा सकता है।

झूठे आरोपों को सम्बोधित करनाः कानूनों के दुरुपयोग को रोकने के लिए घरेलू हिंसा, दहेज उत्पीड़न और यौन उत्पीड़न के मामलों में झूठे आरोपों को रोकने और दंडित करने के लिए कड़े तंत्र लागू करें। लैंगिक न्याय के प्रति संतुलित दृष्टिकोण सुनिश्चित करने के लिए संस्थागत उपाय पुरुष कल्याण आयोगों की स्थापना है। कानूनी सहायता और परामर्श सहित पुरुषों से जुड़े विशिष्ट मुद्दों को सम्बोधित करने के लिए महिला आयोगों के समान राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर वैधानिक निकाय बनाएँ। यूनाइटेड किंगडम में एक ₹पुरुष और लड़के गठबंधन₹ है जो मानसिक स्वास्थ्य और पैतृक अधिकारों जैसे मुद्दों की वकालत करता है। घरेलू हिंसा या दुर्व्यवहार के पुरुष पीड़ितों के लिए तत्काल सहायता और सहायता तक पहुँच सुनिश्चित करने के लिए लिंग-तटस्थ हेल्पलाइन और आश्रय स्थापित करें। भारत में (हिंसा और दुर्व्यवहार के विरुद्ध पुरुष) पहल दुर्व्यवहार के पुरुष पीड़ितों को सहायता प्रदान करती है। घरेलू हिंसा, हिरासत और दुर्व्यवहार से जुड़े मामलों में निष्पक्ष उपचार सुनिश्चित करने के लिए लिंग-तटस्थ दृष्टिकोण और पुरुषों द्वारा सामना की जाने वाली चुनौतियों पर न्यायपालिका और कानून प्रवर्तन अधिकारियों को प्रशिक्षित करें। केरल में पुलिस के लिए नियमित संवेदीकरण कार्यशालाओं के परिणामस्वरूप लिंग-आधारित शिकायतों का अधिक संतुलित संचालन हुआ है। संगठनों को समावेशी कार्यस्थल नीतियाँ अपनाने के लिए बाध्य करें जो पितृत्व अवकाश, पुरुषों द्वारा सामना किए जाने वाले यौन उत्पीड़न और मानसिक स्वास्थ्य सहायता जैसे मुद्दों को सम्बोधित करती हैं। स्वीडन की पैतृक अवकाश नीति पिताओं को समान अवकाश प्रदान करती है, जो घर पर साझा पालन-पोषण और लैंगिक समानता को बढ़ावा देती है। लैंगिक न्याय के लिए एक संतुलित दृष्टिकोण सुनिश्चित करने के लिए पुरुषों के अधिकारों को समान ईमानदारी से सम्बोधित करने की आवश्यकता है। लैंगिक-तटस्थ कानून, मानसिक स्वास्थ्य सहायता में वृद्धि और सामाजिक रूढ़ियों को खत्म करने के लिए जागरूकता अभियान महत्त्वपूर्ण कदम हैं। जैसा कि मार्टिन लूथर किंग जूनियर ने कहा था, ₹किसी भी जगह अन्याय हर जगह न्याय के लिए खतरा है।₹ एक सही मायने में समावेशी प्रणाली सभी लिंगों को ऊपर उठाती है, समाज में निष्पक्षता और सद्भाव को बढ़ावा देती है।

जब वैवाहिक कलह के कारण घरेलू विवाद उत्पन्न होते हैं, तो अक्सर पति के परिवार के सभी सदस्यों को फंसाने की कोशिश की जाती है। ऐसे में अदालतों को विशेष सावधानी बरतनी चाहिए, ताकि किसी कानून का दुरुपयोग कर किसी निर्दोष को न फंसाया जा सके। अदालतों को दहेज उत्पीड़न के मामलों में कानून के दुरुपयोग को रोकने के लिए सावधानी बरतनी चाहिए। उन्हें सतर्क रहना होगा कि कहीं कानून का दुरुपयोग कर पति के रिश्तेदारों को फंसया तो नहीं जा रहा। अदालतों को निर्दोष परिवार के सदस्यों को अनावश्यक परेशानी से बचाना चाहिए।

उत्तरशक्ति
मुंबई आस-पास
मुंबई, 17 दिसम्बर 2024

ईवीएम से चुनाव बंद करवाने के लिए मुलुंड में किया भूख हडताल

कांग्रेस सहित मविआ के सभी दलों ने आंदोलन में लिया भाग

मुंबई (उत्तरशक्ति)। विधानसभा चुनाव के खत्म होते ही एकबार फिर ईवीएम मशीन के खिलाफ कांग्रेस ने मोर्चा खोल दिया है। मुलुंड विधानसभा में कांग्रेस प्रवक्ता राकेश शंकर शेट्टी ने 155-मुलुंड विधानसभा मतदारसंघ में महाविकास आघाडी कार्यकताओं के साथ आंदोलन किया। राकेश के मार्गदर्शन में मुलुंड के न सिर्फ पार्टी कार्यकर्ता बल्कि रहिवासियों ने भी ईव्हीएम पर प्रतिबंध हेतु मुलुंड रेल्वे स्टेशन (पूर्व) के परिसर में एक दिवसीय भूख हडताल में सम्मलित हुए। आपको बतादें की विपक्ष लगातार वैलेट पेपर से सभी चुनाव को संपन्न करवाने की चुनाव अधिकारी से मांग कर रहे हैं। इस भूख हडताल में सामान्य जनता को सम्मिलित करने के हेतु स्वाक्षरी अभियान भी चलाया गया। कांग्रेस प्रवक्ता राकेश शेट्टी मीडिया से कहा, भारतीय जनता पार्टी कि हिटलरवादी विचारधारा के साथ मनमाने ढंग चुनाव करवाया जा रहा है। देश का कोई भी चुनाव यदि ईव्हीएम प्रणाली के माध्यम से करवाना गलत है। बीजेपी द्वारा लोकतंत्र का दुरुपयोग हो रहा है। हमने देश मे हो रहे ईवीएम द्वारा असंवैधानिक तरीके के चुनाव का अवलोकन करके गलत तरीके से चुनाव लड़ने के साजिश को बेनकाब करने हेतु भूख हडताल का आयोजन किया था। देश में वैलेट पेपर द्वारा चुनाव करवाने की सुविधा जब तक नहीं हो जाएगी तब तक हम इस तरह के और भी आंदोलन आगे करते रहेंगे।

भिवंडी के स्वामी गम्भीरानन्द आश्रम द्वारा दत्त जयंती पर किया गया संत सम्मेलन का आयोजन

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी के कामतघर जूनी ताड़ाली-ठाकरा पाड़ा रोड पाइप लाईन स्थित स्वामी श्री गम्भीरानन्द आश्रम में श्रीमद्भगवद्गीता जयंती महोत्सव के उपलक्ष्य में 18 द्विसीय गीता प्रवचन एवं 18 कुंडी गीता हवनात्मक यज्ञ का आयोजन किया गया था। महोत्सव के समापन के दिन दत्त जयंती संत सम्मेलन का आयोजन किया गया जहाँ संत सम्मेलन की अध्यक्षता स्वामी गम्भीरानन्द सरस्वती जी महाराज की उपस्थिति में स्वामी चिदम्बरानन्द सरस्वती जी महाराज ने किया एवं संत सम्मेलन का सफल संचालन स्वामी परमेश्वरानन्द गिरिजी महाराज ने किया। गीता ज्ञानयज्ञ तथा संत सम्मेलन में काशी, वृंदावन, हरिद्वार, ऋषिकेश एवं मुंबई आदि पावन क्षेत्रों से संत व विद्वान शामिल थे। उड़ीसा से आए अनुराग चैतन्यजी महाराज द्वारा पिछले 18 दिनों से आश्रम के भगवान वेदव्यास सिद्धपीठ में श्रीमद्भगवद्गीता के 18 अध्यायों का नियमित रूप से स्वाध्याय कराया गया। जो पूरी तरह से निःशुल्क था। गीता जयंती का समापन दत्तजयंती पर संत सम्मेलन के साथ किया गया। इस दौरान मुंबई से आए स्वामी शंकरानन्द सरस्वतीजी महाराज, अद्वैतानन्द गिरी जी महाराज, काशी से आए आत्मानन्द सरस्वतीजी महाराज, कैवल्यानन्द गिरिजी महाराज, अवधूतानन्द सरस्वतीजी महाराज, उड़ीसा से आए अनुराग चैतन्यजी महाराज, पूर्ण चैतन्यजी महाराज, नारायण पुरीजी महाराज, परमेश्वरानन्द गिरिजी महाराज, स्वामी श्री विद्यानन्दजी महाराज, विवेकानन्दजी महाराज, पुरुषोत्तमानन्दजी महाराज, अमृतानन्दजी महाराज, विश्वेश्वर चैतन्य, आशुतोष चैतन्य एवं वृन्दावन से आए रमेशानंद महराज सहित एवं अन्य कई संतो ने गीता पर प्रवचन दिया। संत सम्मेलन के बाद आश्रम द्वारा महाप्रसाद का आयोजन किया गया था। जिसमें भारी संख्या में भक्तों ने महाप्रसाद का लाभ लिया। आश्रम के ब्रह्मचारी प्रेमस्वरूप चैतन्य जी महाराज ने बताया कि कार्यक्रम के सफल आयोजन में स्वामी श्री गम्भीरानन्द सरस्वती ट्रस्ट मण्डल आश्रम व्यवस्था कमिटी, मैत्रेयी महिला परिषद एवं उज्वल भारत विद्यार्थी संघ में भारती विद्यार्थी संघ द्वारा कड़ी मेहनत किया गया।

तेंदुए की तलाश में वन विभाग के अधिकारी, गोदाम इलाके में दहशत का माहौल

भिवंडी। भिवंडी तालुका लोनाड गांव के पॅरामाउंट लॉजीट्रेड गोदाम परिसर में शुक्रवार को एक तेंदुआ नाले में फंसा पाया गया। वन विभाग और स्थानीय पुलिस की टीम ने मौके पर पहुंचकर तेंदुए को सुरक्षित पकड़ने के लिए अभियान चला रही है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार रात में तेंदुआ इलाके में देखा गया था और रआई एकवीरा ढाबार के सीसीटीवी कैमरे में उसकी मौजूदगी कैद हो गई। सुबह करीब सवा पांच बजे, गोदाम की बस में रहने वाले चालक दुर्गेश विश्वकर्मा ने ढाबे के पास अजीब आवाज सुनी। जब वह बस की ओर भागा तो उसने तेंदुए को गोदाम के बीच की गली में नाले में फंसा हुआ देखा। दुर्गेश ने तुरंत सतर्कता दिखाते हुए गली के मुहाने पर प्लाइवुड लगाकर तेंदुए के भागने का रास्ता बंद कर दिया। उसकी इस त्वरित कार्रवाई से तेंदुआ किसी पर हमला नहीं कर पाया घटना की सूचना मिलने पर स्थानीय पुलिस और वन विभाग की टीम सुबह दस बजे मौके पर पहुंची। रेस्क्यू टीम तेंदुए को सुरक्षित पकड़ने के लिए पूरी कोशिश कर रही है। इस घटना से आसपास के लोग डरे हुए हैं, और वन विभाग ने लोगों से शांत रहने और सुरक्षित दूरी बनाए रखने की अपील की है।

कुर्ला स्टेशन से बस सेवाएं हुई शुरू

मुंबई। कुर्ला पश्चिम में 9 दिसंबर 2024 सोमवार को रात को एसजी बर्वे मार्ग पर हुए बेस्ट बस हादसे के बाद फिर से बस सेवाएं बहाल कर दी गई। कुर्ला स्टेशन के लिए बस सेवा को लेकर गलत जानकारी देकर पिछले 3 दिनों से बस सेवाओं को बंद करा दिया गया था। सेवा निलंबित करने वाले वरिष्ठ परिवहन अधिकारी लक्ष्मण महाले की जांच कर कार्रवाई करने की मांग आरटीआई कार्यकर्ता अनिल गलगली ने बेस्ट महाप्रबंधक अनिल डीग्गीकर से की है। खबर के मुताबिक कोई ठोस कारण नहीं होने के बावजूद बेस्ट बस मंगलवार से बंद थी। इसके चलते यात्रियों को पैदल चलना पड़ रहा था। दरअसल कुर्ला पुलिस हर दिन बस सेवा शुरू करने की बात कह रही थी। लेकिन अधिकारी तैयार नहीं होने के करण नागरिकों को, खास तौर पर महिलाओं भारी परेशानियों का सामना करना पद रहा था, क्योंकि लक्ष्मण महाले ने आश्चर्य स्तर पर अनुचित निर्णय ले रहे थे। इसके विपरीत कुर्ला पुलिस द्वारा बार-बार पूछताछ के बावजूद बेस्ट ने बस सेवा को लेकर कोई निर्णय नहीं लिया, इसलिए कुर्ला स्टेशन के लिए बस सेवा निलंबित कर दी गई। लक्ष्मण महाले इस बारे में वास्तव में क्या कहते हैं? उन्होंने जो निर्णय लिया है उसकी जांच होनी चाहिए। गलगली ने राय व्यक्त की है कि पिछले 3 दिनों से यात्रियों को हुई परेशानी के संबंध में उचित जांच करना और कार्रवाई करना बेहद जरूरी है।

तेरा पंथ युवक परिषद ने रक्तदान शिविर का आयोजन किया

मुंबई (उत्तरशक्ति)। तेरा पंथ युवक परिषद चेंबूर की तरफ से चेंबूर रेलवे स्टेशन परिसर में बड़े पैमाने पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया।

श्री जैन श्वेतांबर तेरा पंथी ट्रस्ट के उपाध्यक्ष लक्ष्मण कोठारी ने फीता काट कर शिविर का उद्घाटन किया।इस मौके पर हुकमचंद सांखला,कमलेश आच्छा,कपिल मेहता,मुकेश डुंगरवाल,कांतिभाई नागाडा,अजीत सिंह पवार,अमृत संघवी आदि ने अपना कीमती समय दिया।

खबर लिखे जाने तक चेंबूर और चेंबूर केम्प में आयोजित रक्तदान शिविर में 175 लोगों ने स्वेछा से अपना रक्तदान दान किया।

शिक्षण विभाग ने अवैध स्कूल के व्यवस्थापक के खिलाफ मामला दर्ज कराया

भिवंडी। भिवंडी ग्रमुण क्षेत्र के मीठपाड़ा इलाके में शिक्षण विभाग व्दारा की गई कार्यवाई के दौरान सख्ती दिखाते हुए एक अवैध स्कूल की पोल खोल दी। बिना अनुमति के स्कूल संचालित करने वाले व्यवस्थापक पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

शिक्षण विभाग व्दारा शेलार गांव के निवासी धमेन्द्र लालचंद्र भारती पर आरोप है कि उन्होंने शिक्षा विभाग से मंजूरी ना लेते हुए खोणी गांव के मीठपाड़ा इलाके में स्कूल शुरू कर रखा था। घर के पहले मंजिल पर चल रहे इस स्कूल को शिक्षा विभाग ने अवैध घोषित किया था।शिक्षण संस्थानों विभाग ने भारती को स्कूल बंद करने के लिए नोटिस भी जारी किया था, लेकिन उन्होंने इसे नजरअंदाज कर स्कूल चालू रखा।शिक्षण विभाग के अधिकारी संजय लक्ष्मण आस्वले की शिकायत पर निजामपुर पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा २२३,३१८(४) और बालकों के मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा अधिकार अधिनियम २००९ की धारा १८(१) के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस उप निरीक्षक जी.एस. मुसले इस मामले की जांच कर रहे हैं।

अल्हम्द हाई स्कूल में वार्षिक क्रीड़ा स्पर्धा का भव्य उद्घाटन समारोह संपन्न

आचार्य सूरजपाल यादव

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। शिक्षा के साथ खेल कूद में भी रुचि लेना आवश्यक है। खेल कूद से ही छात्र स्वस्थ एवं फुतीर्ले होते हैं। शिक्षा के साथ खेल कूद में महारत रखने वाले विद्यार्थी खेल कूद में भी सराहनीय करियर बना सकते हैं। उक्त विचार प्रख्यात डॉक्टर एवं लेखक अबूतालिब अंसारी ने अल्हम्द हाई स्कूल एंड ज्यु कालेज ग्राउंड पर रेड,ग्रीन,यलो और ब्लू हाउस के बीच सम्पन्न होने वाले तीन द्विसीय वार्षिक खेल कूद स्पर्धा के उदघाटन समारोह के अवसर पर ब्यक्त किये। उद्घाटन समारोह अल्हम्द एज्युकेशन सोसायटी के उपाध्यक्ष मुशताक बेग की अध्यक्षता में आयोजित किया गया।विशेष अतिथि के रूप में पूर्व नगरसेवक हाजी नोमान खान, डॉ अबूतालिब अंसारी एवं पूर्व नगरसेवक वसीम अंसारी आदि लोग उपस्थित थे। इस अवसर पर अल्हम्द एजुकेशन सोसायटी के पदाधिकारी एवं सदस्यों में सचिव रेयाजुद्दीन खान,सहसचिव डॉ नियाज आजमी,अल्हम्द हाई स्कूल के चेयरमैन अब्दुल अजीज अंसारी,खान कयामुद्दीन आदि उपस्थित थे।अल्हम्द हाई स्कूल एंड ज्यु कालेज तथा अल्हम्द प्रायमरी स्कूल (उर्दू एवं इंग्लिश मीडियम) के विभिन्न कक्षाओं के विद्यार्थियों ने स्पोर्ट्स इंचार्जेस मोमिन अनीसा,गफ्फार खान,अखलाक अंसारी के मार्गदर्शन में अपने अध्यापकों के निर्देशन में मार्च पास द्वारा अतिथियों को सलामी पेश की। ततपश्चात विद्यार्थियों ने पिरामिड शारीरिक शिस्त का प्रदर्शन करते हुए लेजिम,स्लो मोशन कबड्डी,गोल्डेन गर्ल्स, फायर इवेंट,रस्सा कशी एवं प्राइमरी सेक्शन के विद्यार्थियों द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों का सराहनीय प्रदर्शन किया जिसे उपस्थित अभिभावकों एवं दर्शकों ने खूब सराहा।सभी अतिथियों ने अपने संबोधन में छात्रो के प्रदर्शन को सराहा एवं बधाई दी ।नोमान खान ने सभी विद्यार्थियों को खेल कूद के प्रति सत्य,निष्ठा अनुसाशन एवं देश के प्रति समर्पण का शपथ दिलाया। अतिथियों द्वारा मशल रोशन करके एवं चारो हाउसेस के कैप्टन द्वारा मैदान का चक्कर लगाकर खेल कूद मुकाबलों का शुभारंभ हुआ।

प्रधानाध्यापिका खान शबनम रेयाजुद्दीन ने सभी अतिथियों एवं अभिभावकों के प्रति आभार प्रदर्शन किया।

मेहमानो का परिचय सहित स्वागत एवं कार्यक्रम का संचालन मोमिन मोहम्मद ने किया ।कार्यक्रम को सफल बनाने में समस्त स्टाफ का सहयोग शामिल रहा।राष्ट्रगान के साथ समारोह सम्पन्न हुआ।

श्रीराम की नगरी में सरयू नदी में नाव पर सुंदरकांड पाठ, 11000 हनुमान चालीसा पूर्ण

मुंबई (उत्तरशक्ति)। पुरे देश भर में सनातन धर्म का जोर सोर मे प्रचार प्रसार बड़े पैमाने पर चल रहा है। अयोध्या में श्री राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के शुभ अवसर पर सनातन के प्रचार-प्रसार हेतु मानस प्रेमियों ने व्यास शिव सागर मिश्रा के मार्गदर्शन में 11000 हनुमान चालीसा का पाठ और 108 धार्मिक स्थलों पर सुंदरकांड पाठ करने का संकल्प लिया था। इसी कड़ी मे भगवान श्री राम की नगरी अयोध्या के सरयू नदी में नांव पर बैठकर 78 वें सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया। व्यास शिव सागर मिश्रा ने बताया कि 11000 हनुमान चालीसा का पाठ पूर्ण किया जा चुका है। अयोध्या के सरयू नदी में नाव पर बैठकर 78 वे सुंदर कांड पाठ का जो सफल आयोजन किया गया उसमें महंत श्री अजीत दास महाराज जी हनुमान गढ़ी, अमौली पुर धाम का विशेष आशीर्वाद और मुंबई से अयोध्या पहुंचे समाजसेवी विनोद तिवारी का विशेष सहयोग हासिल हुआ। इस आयोजन के लिए विनोद तिवारी विशेष रूप से अभिनंदन के पात्र हैं। संकल्प को पूरा करने में अनिल पांडेय, शशिधर शुक्ल, प्रदीप पांडेय, अरविंद मिश्र, राम जीत तिवारी, पंकज सिंह, प्रभा कर सिंह, विरेश सिंह, नरेंद्र सिंह, सुभाष पांडेय, अनिल शुक्ल, चंद्र प्रकाश पांडेय, शुशील उपाध्याय, सुरेश दुबे, गोपाल पांडेय, अरुण तिवारी, विनय तिवारी, अवनीश मिश्रा,रवि तिवारी,आदेश मिश्र सहित कई अन्य मानस प्रेमियों ने इस धार्मिक आयोजन को सफल बनाने हेतु निरंतर सहयोग मे लगे हुए हैं।

उत्तर भारतियों को मंत्रीमंडल में शामिल किया जाय: चंद्रशेखर शुक्ला

मुंबई (उत्तरशक्ति)। घाटकोपर से वरिष्ठ भाजपा नेता चंद्रशेखर आर शुक्ल ने कहा है कि इस ऐतिहासिक पार्टी का अनवरत उत्कर्ष देखना चाहता हूँ। इसी आलोक में खिन्न मन से कहा कि अभी हाल ही में सम्पन्न हुए महाराष्ट्र के विधानसभा चुनाव में उत्तर भारतियों ने झूमकर भाजपा के पक्ष में एकजुट मतदान किया। इस अभियान में राजनीति से जुड़े हम जैसे भाजपा के कार्यकताओं ने भी रात - दिन प्रचार करके भाजपा के पक्ष में उत्तर भारतीयों का मन बनाया। उत्तर भारतियों का मन तब टूटा, आहत और खिन्न हुआ, जब भाजपा से जीते चार उत्तर भारतीय विधायकों में से किसी को भी मंत्रिमंडल में जगह नहीं मिली। उत्तरभारतीय समाज अपने को ठगा-सा महसूस कर रहा है। ऐसी चूक कैसे हुई, समझ से परे है। इसे लेकर उत्तरभारतियों में भारी आक्रोश है। नेतृत्व ने समय रहते स्थिति को नहीं संभाला तो यहाँ पर होने वाले महानगरपालिका के चुनाव में पार्टी को भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है। हम जैसे पार्टी के कार्यकताओं की स्थिति तब असहज हो जाती है, जब इस बारे में उत्तरभारतियों के आक्रोष भरे सवाल हम पर दागे जाते हैं। पार्टी इसकी गंभीरता को देखते हुए त्वरित निर्णय ले, ताकि उत्तरभारतियों का जुड़ाव भाजपा से बना रहे।

के.सी.एन. क्लब द्वारा विजय दिवस के उपलक्ष्य में अंतर विद्यालयीय बुद्धि परीक्षण कार्यक्रम आयोजित

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। जिले के बोईसर शहर (पू.) धनानी नगर, महावीर नगर स्थित आशादीप विद्यामन्दिर हाईस्कूल में राष्ट्रीय सेवाभावी संगठन नोइंग सिटिजन्स नीड़ क्लब (केसीएन क्लब) राष्ट्रीय कमेटी के मार्गदर्शन में महाराष्ट्र प्रदेश कमेटी द्वारा सोमवार 16 दिसम्बर 2024 को सुबह 10 बजे विजय दिवस के उपलक्ष्य में मेधावी छात्रों के प्रोत्साहन हेतु अंतर विद्यालयीय बुद्धि परीक्षण परीक्षा 2024 का आयोजन किया गया।

ज्ञात हो कि जिले के विद्यालयों में शिक्षा प्राप्त कर रहे मेधावी छात्रों के मानसिक उन्नति व परीक्षण हेतु राष्ट्रीय सेवाभावी संगठन नोइंग सिटीजन्स नीड क्लब द्वारा अंतर विद्यालयीय बुद्धि परीक्षण परीक्षा 2024 (इंटर स्कूल आई क्यु टेस्ट इक्जाम) का आयोजन लगातार किया जा रहा है। जिसमे बालक बालिका वर्ग के मेधावी छात्रों को प्रथम द्वितीय तृतीय स्थान प्राप्ति पर पारितोषिक व सम्मान चिन्ह, प्रमाण पत्र वितरित किया जा रहा है। कार्यक्रम की शुरूआत में मुख्यातिथि संस्था के राष्ट्रीय संरक्षक एडवोकेट शोभनाथ त्रिपाठी द्वारा संस्थापिका के छायाचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करने के पश्चात सभी उपस्थित जनों द्वारा दो मिनट का मौन धारण कर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए किया गया। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ पदाधिकारी शैलेंद्र मिश्र ने किया। इसी क्रम में अंतर विद्यालयीय बुद्धि परीक्षण परीक्षा में शामिल 9वीं से 10वीं तक के बालिकाओं के बौद्धिक क्षमता परीक्षण प्रतियोगिता में आराध्या मिश्र, रीना अनिल वर्मा, श्रुति अनिल झा व बालको में अनुराग एस पाण्डेय, वात्सल्य मिश्र, जितेंद्र प्रजापति को प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान मिला। छोटे बच्चों की प्रतियोगिता 6 वीं से 8 वीं तक के बालिकाओं में काजल पासवान, रश्मि शक्ति शरण पाण्डेय, अंसारी नजरिन सगीर अहमद व बालको में मोहम्मद फुरकान खालिद, दिगपाल दुर्गा पी त्रिपाठी, शोएब शेख ने प्रथम द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त किया। परीक्षण प्रक्रिया में जुनेद कुरैशी व अभिजीत मिश्र का विशेष सहयोग रहा व कुल 53 मेधावी छात्रों ने बुद्धि परीक्षण की परीक्षा दी। कार्यक्रम के अंतिम दौर में बच्चों ने राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम समापन किया। सम्पूर्ण कार्यक्रम महाराष्ट्र प्रदेश कमेटी कोंकड़ मण्डल व जिला कार्यकारिणी के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष नंदन मिश्र त्यागी ने बच्चों को शिक्षा स्वास्थ्य सहित संस्कृति और संस्कार को सुंदर बनाने हेतु बेहतरीन उपाय समझाये। कार्यक्रम में सहयोगी सस्थाओं में परीक्षा केंद्र आशादीप विद्यालय हाईस्कूल, जिलापरिषद स्कूल धनानी नगर, मौरा सूजन शिक्षण संस्थान बोईसर केंद्र, जय योगेश्वर गुरुकुल विद्यापीठ एण्ड प्राकृतिक चिकित्सा केन्द्र बोईसर का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम में अतिथियों के रूप में संस्था के इम्तेयाज खान, विश्वजीत सिंह, बैजनाथ महतो, आनन्द दुबे, अरविंद दुबे, वीरेंद्र साहू, जयंती महतो, उमेश महतो सहित विद्यालय के शिक्षक ओमप्रकाश तिवारी, सहित अनेक विशिष्ट जन उपस्थित रहें। कार्यक्रम के अंत में मण्डल अध्यक्ष देवेन्द्र मेश्राम ने सभी के उपस्थित जनों प्रति आभार व्यक्त किया।

गो ग्रीन रेवोलुशन मुहिम के तहत क्रिकेट प्रतियोगिता

ठाणे। शहर में युवाओं को पर्यावरण से जोड़ने के लिए एसपीएल कमिटी और शिवशांति प्रतिष्ठान द्वारा रविवार को सावरकर नगर स्थित ठाणे मनपा स्कूल में भव्य क्रिकेट प्रतियोगिता शिवशांति प्रीमियर लीग (एसपीएल) का आयोजन किया गया था। जिसका उद्घाटन संस्था के संस्थापक अध्यक्ष विनय कुमार के हाथों किया गया। क्रिकेट प्रतियोगिता को सफल बनाने में आकृति, प्रगति और उन्नति अस्पताल के संचालक शैलेश सिंह, किड्स स्टार, आरोही इंटरनेशनल के संचालक अशोक मिश्रा, आयुष और लोकमान्य अस्पताल के संचालक अनिल मिश्रा और एनएसआर सिक्युरिटी के संचालक सुनील पांडे का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ।

क्रिकेट प्रतियोगिता में कुल 8 टीमों ने हिस्सा लिया था। जिसमें सीपी तलाव की साईं राज टीम ने जीत दर्ज की।

साथ ही टीम रेवोलुशन ने द्वितीय स्थान हासिल किया। संस्था द्वारा पिछले कई वर्षों से गो ग्रीन रिवोलुशन मुहिम के तहत वृक्षारोपण किया जाता है। इसी के तहत युवाओं को जोड़ने के लिए एसपीएल क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था।उक्त अवसर पर एसपीएल कमिटी के रंजीत सिंह, गोपाल ठाकुर, रोहित सिंह और अन्य मान्यवर उपस्थित थे।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय:
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * **संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति**, विश्व समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, **मो.-** 9554493941 **email ID- uttarshaktinews@gmail.com**

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय परिसर की सेमेस्टर परीक्षा का मूल्यांकन कार्य प्रारंभ

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय परिसर में संचालित पाठ्यक्रमों की विषम सेमेस्टर की उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन बाबा साहब देवरस केंद्रीय मूल्यांकन भवन में विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर वंदना सिंह ने विधिवत पूजन के उपरांत प्रारंभ कराया। इस अवसर पर कुलपति ने विभिन्न पाठ्यक्रमों के उपस्थित परीक्षकों डा० धर्मेंद्र सिंह, डॉ० अशोक कुमार यादव, सत्यम उपाध्याय, डा० अंकुश गौरव, डॉ निमिषा यादव, डॉ रितेश श्रीवास्तव, डा० प्रवीण कुमार सिंह, डॉ० ऋषिकेश आदि को मूल्यांकन हेतु उत्तर पुस्तिकाओं का आवंटन किया। उन्होंने उत्तर पुस्तिकाओं का समय पर सुचितापूर्ण मूल्यांकन करने हेतु सभी परीक्षकों को निर्देश दिया। इस अवसर पर परीक्षा नियंत्रक डॉक्टर विनोद कुमार सिंह ने राजभवन एवं उत्तर प्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग के निर्देश के क्रम में समर्थ पोर्टल का उपयोग करते हुए यथाशीघ्र परीक्षा परिणाम घोषित करने हेतु समन्वयक मूल्यांकन डॉ.अमरेंद्र कुमार सिंह एवं उनकी समस्त मूल्यांकन समिति को आवश्यक दिशा निर्देश दिया। उप कुलसचिव अजीत प्रताप सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय परिसर में संचालित समस्त पाठ्यक्रमों की विषम सेमेस्टर की परीक्षाएं प्रारंभ है और दिसंबर के अंतिम सप्ताह तक संचालित होनी है। जिन विषयों की परीक्षाएं संपन्न होती जा रही हैं। साथ ही उन पाठ्यक्रमों की उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन कार्य भी होता रहेगा जिससे परीक्षा समाप्त होने के उपरांत यथा शीघ्र परीक्षा परिणाम घोषित किया जा सके।परीक्षा मूल्यांकन के उद्घाटन अवसर पर संकाय अध्यक्ष इंजीनियरिंग विभाग प्रो. सौरभ पाल, प्रो.अशोक श्रीवास्तव, डॉ.प्रमोद कुमार कौशिक, श्याम त्रिपाठी, सतीश सिंह, मनु मिश्रा, लाल बहादुर, जय सिंह इत्यादि उपस्थित रहे।

फोटो- मूल्यांकन केंद्र में सेमेस्टर परीक्षा का मूल्यांकन के लिए पूजन करतीं कुलपति प्रो. वंदना सिंह एवं अन्य।

तंदूरी दरबार बैंक्विट हॉल का हुआ उद्घाटन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शहर के शाहगंज पड़ाव स्थित उर्दू बाजार में तंदूरी दरबार बैंक्विट हॉल का शुभ उद्घाटन एटा से पधारे हुए कमल किशोर एएसपी एटा के कर कमलों द्वारा किया गया। इस मौके पर एक शायरी सिंपोजियम का भी आयोजन हुआ। जिसमें विभिन्न शहरों से आए हुए शायरों ने अपने-अपने अंदाज में कलाम पेश किया, कार्यक्रम का आगाज कलामे ए इलाही से शेर मस्जिद के इमाम कारी जिया ने किया, कार्यक्रम की सदारत अध्यक्षता नूरुल जमा खान के द्वारा हुई। शायरो में कविश रुदौलवी, बादशाह राही गाजीपुरी, मासूम रजा इलाहाबादी, मासूम राशदी सहायक निर्देशक डाक विभाग प्रयागराज उत्तर प्रदेश आबाई वतन- बेगूसराय बिहार ने अपने अपने कलाम पेश किए। कार्यक्रम के आयोजकों आरिफ खान, शाहनवाज मंजूर, खुर्रम एहतेशाम, अमजद ने आए मेहमानों का इस्तकबाल और खैर मखदम किया। इस मौके पर मुख्य रूप से असीम मछलीशहरी, डॉ.मोइनुद्दीन, एहतेशाम खान, मंजूर अली, शोएब अच्छू, मौलाना अनवार कासमी, नेयाज ताहिर शेखू, रियाजुल हक, आरिफ हुसैनी, डॉ.शेफ हुसैन खा सहित क्षेत्र के गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

जौनपुर प्रेस क्लब के जिला अध्यक्ष कपिल देव मौर्य पंचतत्व में विलीन

गोमती तट स्थित रामघाट पर जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक रहे मौजूद

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। जौनपुर प्रेस क्लब के जिला अध्यक्ष कपिल देव मौर्य का आज सोमवार को दाह संस्कार आदि गंगा गोमती नदी पावन तट रामघाट पर पूरे नागरिक सम्मान के साथ हुआ। उनके अंतिम दर्शन हेतु जनपद जौनपुर के जिलाधिकारी डॉ दिनेश चंद्र पुलिस अधीक्षक डॉ अजय पाल शर्मा, पूर्व विधायक गुलाब सरोज, पूर्व विधायक सुरेंद्र प्रताप सिंह, पूर्व विधायक लाल बहादुर यादव जनपद के जनप्रतिनिधि व अधिवक्ता समाजसेवी जनपद के तमाम पत्रकार में वरिष्ठ पत्रकार लोलरक दुबे, शंभु नाथ सिंह, राकेश कांत पांडेय, आशीष पांडेय, सोनू उपाध्याय, अधिवक्ता रमेश चंद्र पाल, दीवानी बार के अध्यक्ष सुभाष चंद्र यादव सहित सैकड़ों की संख्या में पत्रकार गण उपस्थित रहे। ज्ञात हो कि उत्तर प्रदेश में जौनपुर जिले के वरिष्ठ पत्रकार कपिल देव मौर्य का कल रविवार को दोपहर हृदय गति रुकने से निधन हो गया। वे लगभग 66 वर्ष के थे। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार जिले में सदर तहसील एवं जफराबाद थाना क्षेत्र के उत्तरगांवा गांव निवासी कपिल देव मौर्य ने 1984 से जौनपुर से प्रकाशित हिंदी दैनिक तरुण मित्र से अपनी पत्रकारिता की शुरूआत की। उसके पश्चात उन्होंने दैनिक मान्यवर में भी कुछ दिन तक काम किया। उसके बाद वे स्वतंत्र भारत, चौथी दुनिया, कुबेर टाइम्स और जनसत्ता एक्सप्रेस में भी जिला संवाददाता के रूप में काम करते रहे। वर्तमान में लखनऊ से प्रकाशित साप्ताहिक अपना भारत के जिला संवाददाता रहे और न्यूज पोर्टल सच खबरें चलाते रहे। पत्रकारों के संगठन में जौनपुर पत्रकार संघ के कई वर्षों तक वरिष्ठ उपाध्यक्ष रहे। वर्तमान में वे जौनपुर प्रेस क्लब के अध्यक्ष रहे श्री मौर्य कल रविवार को लगभग 11:30 बजे प्रदेश के खेल एवं युवा कल्याण राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार गिरीश चंद्र यादव के जनसंपर्क कार्यालय पर जाकर उनसे मुलाकात की, उसके पश्चात अपने जौनपुर नगर स्थित सिपाह में आवास पर गए। खाना खाने के पश्चात उन्हें हार्ट अटैक आया। नगर के एक चिकित्सक के यहां लोग उन्हें उठाकर ले गए। जहां पर चिकित्सा में उन्हें मृत घोषित कर दिया। उनका अंतिम संस्कार कल सुबह जौनपुर में आज गंगा गोमती के पावन तट रामघाट पर पूरे नागरिक सम्मान के साथ किया गया।

उनके निधन पर प्रदेश के खेल एवं युवा कल्याण राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार गिरीश चंद्र यादव, जौनपुर लोकसभा से सांसद बाबू सिंह कुशवाहा, मछली शहर की सांसद प्रिया सरोज, जौनपुर लोकसभा से भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी रहे एवं महाराष्ट्र के पूर्व गृह राज्य मंत्री कृपा शंकर सिंह, जाफराबाद के विधायक जगदीश नारायण राय, मल्हनी के विधायक लकी यादव, पूर्व एमएलसी एवं जिला सहकारी बैंक के अध्यक्ष कुंवर वीरेंद्र प्रताप सिंह, पूर्व एमएलसी विद्यासागर सोनकर, पूर्व विधायक सुरेंद्र प्रताप सिंह, नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष मनोरमा मौर्य, नगर पालिका परिषद के पूर्व अध्यक्ष दिनेश टंडन, दीवानी न्यायालय अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष सुभाष चंद्र यादव सहित जनपद के समस्त पत्रकारों ने शोक संवेदना प्रकट करते हुए कहा कि वह एक निष्पक्ष पत्रकार के रूप में जिले में स्थापित रहे।

अंसार अहमद कासमी निर्विरोध अध्यक्ष, अनवार कासमी पुनः बने महासचिव

इस्लामिक वेलफेयर सोसायटी का चुनाव संपन्न

डॉ.इम्तियाज अहमद

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सामाजिक और शैक्षणिक संस्था इस्लामिक वेलफेयर सोसायटी बल्लोच टोला जौनपुर की प्रबंधन समिति का चुनाव रविवार को जामिया मोमिना लिल बनात जामिया नगर सिपाह में संपन्न हुआ। गौरतलब रहे कि सहायक रजिस्ट्रार फॉर्म्स सोसाइटीज एवं चिट्स फंड्स वाराणसी के आदेश 3490/ए जेड-1113/2024-25 वाराणसी दिनांक 16/11/2024 के अनुपालन में चुनाव अधिकारी मंजुलता वर्मा प्रधानाचार्या राजकीय बालिका इंटर कॉलेज जौनपुर के द्वारा घोषित/विज्ञिप्ति कार्यक्रम के आधार पर नियमानुसार निष्पक्षता के साथ संपादित कराया गया। प्रबंधन समिति चुनाव के दौरान शांति व्यवस्था कायम रखने हेतु मौके पर पर्याप्त पुलिस बल को भी तैनात किया गया था।

इस दौरान इस्लामिक वेलफेयर सोसायटी के जनरल सीक्रेट्री अनवार कासमी ने एक प्रेस विज्ञप्ति के द्वारा बताया कि प्रबंधन समिति के सभी 7 पदाधिकारी और मैनेजमेंट कमेटी के 8 मेंबर निर्विरोध चुने गए, चूंकि पूर्व अध्यक्ष अबुल वफा चुनावी कार्यवाही में शामिल नहीं हुए इसलिए अंसार अहमद कासमी को निर्विरोध अध्यक्ष बनाया हैं जबकि अनवार कासमी को निर्विरोध जनरल सीक्रेट्री के पद पर निर्विरोध चुन लिया गया है। चुनावी कार्यवाही के दौरान मंजू लता ने साधारण सभा में उपस्थित सदस्यों के समक्ष चुनाव करवाया गया। इस दौरान उन्होंने बताया कि चुनाव के समय सोसायटी के चुनाव के अतिरिक्त कोई दूसरा चुनाव संपादित नहीं किया गया।

अधिवक्ता समिति चुनाव के प्रथम दिन हुए 11 नामांकन

◆ 16 व 17 दिसंबर को होना है नामांकन, अधिवक्ता भवन में 12 बजे से तीन बजे तक चली नामांकन प्रक्रिया

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मछलीशहर अधिवक्ता समिति चुनाव के लिए पहले दिन 16 दिसंबर को विभिन्न पदों पर कुल 11 नामांकन हुए। 16 व 17 दिसंबर को नामांकन होना है।अधिवक्ता भवन में 12 बजे से तीन बजे तक नामांकन प्रक्रिया चली। अधिवक्ता समिति चुनाव के लिए सोमवार को महामंत्री पद के लिए आलोक कुमार विश्वकर्मा ने नामांकन किया। वरिष्ठ उपाध्यक्ष के लिए रमेश प्रताप सिंह, कोषाध्यक्ष पद पर संदीप श्रीवास्तव, उपाध्यक्ष पद (10 वर्ष से अधिक अनुभव) पर राजेश कुमार पटेल, अशोक कुमार मिश्र, जितेंद्र प्रताप यादव, संयुक्त सचिव प्रशासन पद के लिए राम सिंह पटेल, अनुराग श्रीवास्तव, उपाध्यक्ष (10 वर्ष से कम अनुभव) पद पर बलराम यादव, प्रेम चंद्र यादव एवं सदस्य कार्यकारिणी पद के लिए अरुण कुमार चौरसिया ने नामांकन किया। एल्डर्स कमेटी/चुनाव समिति के दिनेश चंद्र सिन्हा, केदार नाथ यादव, ब्रह्म देव शुक्ल, अशोक कुमार श्रीवास्तव, हरि नायक तिवारी की उपस्थिति में नामांकन प्रक्रिया सम्पन्न हुई। तहसील में चुनावी सरगर्मी शुरू हो गई है।

मोटर साइकिलों की भिड़ंत में दो घायल

शाहगंज,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। सोमवार की सुबह कोतवाली क्षेत्र के सुल्तानपुर रोड पर आमने सामने दो मोटरसाइकिलो की भिड़ंत हो गई । जानकारी के अनुसार एक मोटर साइकिल पर सवार सुल्तानपुर जा रहे शोभित पुत्र राजेंद्र प्रसाद निवासी ईशापुर जौनपुर एवं शिव मोहन निवासी सलोरी इलाहाबाद विपरित दिशा से आ रही तेज रफ्तार मोटर साइकिल से मलहज मोड के पास सीधी भिड़ंत हो गई। जिसमें उक्त दोनों बुरी तरह से घायल हो गए। ग्रामीणों की मदद से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में लाया गया जहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर देखते हुए चिकित्सकों ने बेहतर इलाज हेतु जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

पूर्वदशम छात्रवृत्ति योजनान्तर्गत छात्रवृत्ति आवेदन हेतु तिथि निर्धारित

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी ने जनपद स्थित समस्त मदरसों/शिक्षण संस्थाओं एवं अल्पसंख्यक छात्र/छात्राओं को अवगत कराया है कि शैक्षणिक सत्र 2024-25 में राज्य सरकार छात्रवृत्ति योजनान्तर्गत पूर्वदशम छात्रवृत्ति योजनान्तर्गत छात्रवृत्ति आवेदन हेतु तिथि निर्धारित की गयी है।जिसका विवरण इस प्रकार है।पूर्वदशम छात्रवृत्ति के छात्र/छात्राओं के आवेदन की अंतिम तिथि 13, जनवरी, 2025 और इन्स्टीट्यूट वेरीफिकेशन की अन्तिम तिथि 20, जनवरी, 2025 अल्पसंख्यक समुदाय के छात्र/छात्राओं हेतु राज्य सरकार छात्रवृत्ति योजनान्तर्गत राज्य सरकार की वेबसाइट scholarships.up.nic.in। पर आवेदन करेंगे एवं सम्बन्धित शिक्षण संस्था यह ध्यान देंगे कि सम्बन्धित छात्र/छात्रायें आपके मदरसें/विद्यालय में नियमित रूप से अध्ययनरत हों। जनपद में संचालित समस्त अनुदानित/मान्यता प्राप्त मदरसों/विद्यालयों /महाविद्यालयों के प्रधानाध्यापक/ प्रधानाचार्य/ प्राचार्यगण एवं अध्ययनरत छात्र/छात्राओं को अवगत कराया है कि राज्य सरकार की वेबसाइट scholarships.up.nic.in पर उपलब्ध साफ्टवेयर में दी गयी व्यवस्था व निर्गत समय सारणी के अनुसार छात्रवृत्ति हेतु समस्त कार्यवाही ससमय पूर्ण कर ली जाए।

जिला स्काउट गाइड रैली में कुंवरपुर का रहा दबदबा

होरिल राव इंटर कॉलेज कुँवरपुर के स्काउट और गाइड ने जिला स्काउट गाइड रैली में लहराया परचम

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मछलीशहर इंटर कॉलेज सेनापुर, केराकत में आयोजित 31 वीं जिला स्काउट गाइड रैली में होरिल राव इंटर कॉलेज कुंवरपुर के स्काउट गाइड ने बेहतरीन प्रदर्शन कर अपना परचम लहराते हुए कई पदक अपने नाम किया। विद्यालय की स्काउट की जूनियर टीम ने जिले में प्रथम स्थान प्राप्त कर मंडलीय स्काउट गाइड रैली के लिए क्वालीफाई किया। कॉलेज की जूनियर गाइड टीम ने जिले में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। जिला मुख्य आयुक्त स्काउट गाइड डॉ. रणजीत सिंह ने प्रधानाचार्य रवींद्र नाथ शर्मा, स्काउट मास्टर धर्म चंद्रगुप्त और स्काउट मास्टर डॉ. हरीश कुमार यादव को टीम लीडर के साथ विजेता शील्ड और प्रमाण पत्र प्रदान किया। विद्यालय के स्काउट गाइड टीम का विद्यालय पहुंचने पर भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रबंधक राम प्रताप सिंह ने बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें ऊँचाई पर पहुंचने के लिए शुभकामनाएं दी। प्रधानाचार्य रवींद्र नाथ शर्मा ने बच्चों को निरंतर परिश्रम समयबद्धता और अनुशासन में रहने का निर्देश देते हुए अपने कार्य को तत्परता के साथ पूर्ण करने का निर्देश दिया। इस अवसर पर विद्यालय के उप प्रधानाचार्य डॉ. देवेंद्र दीक्षित, आशुतोष चंद्र सिंह, चंद्र सेन सिंह, आनंद चौरसिया, राम बाबू यादव, देवी प्रसाद, अभिमन्यू सिंह, ज्ञान प्रकाश सिंह सहित सभी शिक्षक उपस्थित रहे जिन्होंने बच्चों का उत्साह वर्धन किया।

विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को प्रोजेक्ट के लिए मिला अनुदान

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग संस्थान के कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग, इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी और इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग के छात्रों को सीएसटी उत्तर प्रदेश इंजीनियरिंग छात्र प्रोजेक्ट अनुदान 2024-25 के अंतर्गत अनुदान प्राप्त हुआ। अनुदान प्राप्त करने वाले छात्रों एवं उनके प्रोजेक्ट निर्देशक को विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने भी शुभकामनाएं दिया।

कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग में कार्यरत सहायक प्रोफेसर प्रवीण कुमार पाण्डेय के निर्देशन में प्रोजेक्ट कार्य कर रहे छात्र शुभम कुमार और राहुल मौर्य, इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ विक्रांत भटेजा के निर्देशन में प्रोजेक्ट कर रहे छात्र कृष्ण देव राय और रिंसिका दुबे और इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग के सहायक प्रोफेसर सौरभ वी कुमार के निर्देशन में प्रोजेक्ट कार्य कर रहे छात्र देवेंद्र यादव को प्रोजेक्ट के लिए अनुदान प्राप्त हुआ।

इस अवसर पर संकायाध्यक्ष प्रो. सौरभ पाल ने छात्रों को बधाई देते हुए कहा कि वे अपने प्रोजेक्ट कार्य के सभी प्रमुख उद्देश्यों को पूरा करें। उन्होंने सुझाव दिया कि छात्रों को ऐसा प्रोजेक्ट करना चाहिए जो कि हमारे समाज के लिए उपयोगी हो। साथ ही छात्रों को शोध के लिए प्रेरित करना भी आवश्यक है। इसके साथ ही संस्थान के छात्रों और अध्यापकों को शोध पत्रों के प्रकाशन के साथ-साथ पेटेंट प्रकाशन करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया, ताकि शोध कार्य को संरक्षित किया जा सके।

रेलवे ट्रैक पर मिली अज्ञात युवक के शव की हुई पहचान

धर्मेंद्र कुमार, बदलापुर,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना क्षेत्र के बिठूआ कला रेलवे ट्रैक पर मिली अज्ञात युवक की लाश की पहचान परिजनों ने कर लिया है। इसी थाना क्षेत्र के सराय अहमद गांव निवासी रवि शंकर यादव का 17 वर्षीय पुत्र 13 दिसंबर को दोपहर घर से निकाला और इसकी लाश 1:30 दिन में पुलिस ने रेलवे ट्रैक पर कटी हुई अवस्था में बरामद किया। पुलिस ने बड़ी देर तक इसकी पहचान कराने का प्रयास किया लेकिन इसकी पहचान नहीं हो सकी। 16 दिसंबर को परिजनों ने थाने पर पहुंचकर मृतक के पास से जो सामग्री पुलिस को बरामद हुई थी उसे देखकर पहचान हुई। पुलिस ने आज लाश को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। परिजनों के अनुसार मृतक का मानसिक संतुलन ठीक नहीं चल रहा था।

अर्टिगा कार व ई-रिक्शा में जोरदार टक्कर, खाई में पलटा रिक्शा

ई-रिक्शा चालक घायल, अस्पताल में भर्ती

खेतासराय,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। क्षेत्र के मनेछा मोड़ के समीप सोमवार को ई-रिक्शा और इर्टिगा कार में जोरदार टक्कर हो गया। जिससे ई-रिक्शा असन्तुलित होकर रोड़ के बगल स्थित खाई में पलट गया और चालक घायल हो गया। राहगीरों की मदद से उसे घायलावस्था में निजी अस्पताल में भर्ती कराया। मौके पर पहुँची पुलिस ने गाड़ी को कब्जे में लेकर विधिक कार्यवाई में जुट गयी। जानकारी के अनुसार सोमवार को एक इर्टिगा कार जलालपुर से कलान परीक्षार्थी को परीक्षा दिलाने जाजे रही थी। अभी वह क्षेत्र के मनेछा मोड़ के समीप पहुँचा ही था। इधर खेतासराय की तरफ से जौनपुर लाल दरवाजा निवासी राकेश मौर्य (35 वर्ष) ई-रिक्शा से सवारी छोड़कर जा रहे थे। तभी दोनों की आमने-सामने से जोरदार में टक्कर हो गया। जिससे रिक्शा असन्तुलित होकर रोड के बगल स्थित खाई में पलट गया और ई-रिक्शा चालक राकेश मौर्य घायल हो गए। राहगीरों की मदद से गम्भीर रूप से चालक को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहाँ उसका इलाज चल रहा है। वही सूचना पर मौके पर पहुँची पुलिस ने दोनों गाड़ियों को कब्जे में लेकर विधिक कार्यवाई करने में जुट गई है।

थानाध्यक्ष ने स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के परिजनों को किया सम्मानित

अनुभव सिंह

महराजगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। स्वतंत्रता संग्राम सेनानी के परिजनों को रविवार थाना परिसर में थानाध्यक्ष ओमप्रकाश पांडेय ने अंग वस्त्र व माला पहनाकर सम्मानित किया। लमहन गांव निवासी सेनानी रामदेव मिश्रा की पत्नी गीता देवी का पैर छू कर प्रमाण किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि सेनानियों के संघर्ष और लड़ाई की देन है। आज पूरे देश में आजादी का जो अमृत महोत्सव मनाया जा रहा है।भारत के स्वतंत्रता संग्राम में स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान को भुलाया नहीं जा सकता।घर परिवार की परवाह किए बिना अंग्रेजों से लड़ कर देश को आजाद कराने में जो भूमिका उसे देश की जनता कभी नहीं भूला सकती।इससे नवयुवकों सहित सभी को सीख लेने की जरूरत है।सम्मान के दौरान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी शाहपुर नेवादा निवासी स्वर्गीय राम आधार सिंह के परिजन नरेंद्र सिंह, राम अछैवर मिश्र निवासी लमहन के कृपाशंकर मिश्र, बंशीधर निगम महराजगंज के शिवम निगम, दूधनाथ उपाध्याय के हनुमान प्रसाद, शीतला प्रसाद के सुपौत्र महेश उपाध्याय, इंदर राम यादव चारों के रामकृपाल यादव, राज नारायण मिश्र सराय पड़री के विनोद कुमार मिश्रा को अंग वस्त्र देकर माल्यार्पण कर सम्मानित किया।

बाबा की नगरी में आई किन्नर अखाड़ा की महामंडलेश्वर, 42 दिन की पूजा शुरू

बांग्लादेश मुद्दे पर कहा- भारत को देना होगा मुंह तोड़ जवाब

डॉ.एस.के. मिश्र, वाराणसी(उत्तरशक्ति)। किन्नर अखाड़ा की महामंडलेश्वर आचार्य लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी सोमवार को काशी पहुंचीं। इस दौरान उन्होंने बताया कि हमारे अखाड़े के स्वामी अघोरी मणिकंदन जी दिसंबर महीने में काशी आते हैं और उनकी 42 दिन की तपस्या और पूजा शुरू होती है। गंगा उस पार कार्यक्रम होते हैं। इसकी शुरूआत मणिकर्णिका घाट से शुरू होती है। यह हर साल होता है। कहा कि झंडावंदन के कार्यक्रम के साथ ही शुरूआत होने जा रहा है। उन्होंने बांग्लादेश मामले के सवाल पर कहा कि कहीं भी हिंदूओं पर अत्याचार हो तो खुलकर विरोधियों को मुंहतोड़ जवाब देना चाहिए।

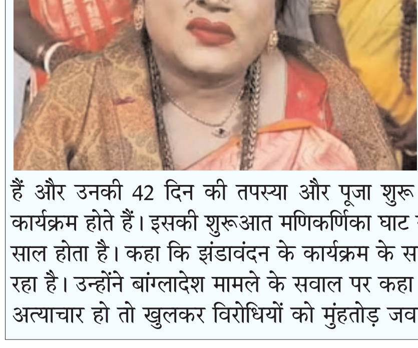

पीएम किसान सम्मान निधि के लिए कराएं फार्मर रजिस्ट्री: डीएम

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। जनपद के किसानों का आधार की तर्ज पर किसान कार्ड बनाया जा रहा है। इसके लिए जिलाधिकारी डा. दिनेश चंद्र द्वारा रोस्टर जारी कर जिले की समस्त राजस्व गांवो में शिविर लगाकर किसान रजिस्ट्री की जा रही है। इसी क्रम में सोमवार को जिलाधिकारी डा. दिनेश चंद्र द्वारा सदर तहसील के प्राथमिक विद्यालय बशीरपुर विकास खण्ड क्षेत्र सिरकोनी में एग्री स्टैक योजनान्तर्गत कराए जा रहे फार्मर रजिस्ट्री कार्य का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि सभी किसानों की फार्मर रजिस्ट्री कर दी जाए। जिलाधिकारी ने बताया कि फार्मर रजिस्ट्री में किसान का आधार नंबर,खेत का रकवा नंबर, खसरा नंबर, मोबाइल नंबर आदि का विवरण दर्ज किया जाएगा। पूरा विवरण दर्ज होने के बाद किसानों को एक यूनिक नंबर जारी होगा इस नंबर के जरिए ही संबंधित किसान का पूरा विवरण देखा जा सकेगा। रजिस्ट्री का कार्य पूर्ण होने के बाद किसान कार्ड बनाया जाएगा कार्ड से मिलने वाले नंबर के जरिए ही पीएम किसान सम्मन निधि सहित अन्य योजनाओं का लाभ किसानों को दिया जाए। इसके उपरान्त जिलाधिकारी ने प्राथमिक विद्यालय बशीरपुर का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने विद्यालय आने के लिए रास्ता ठीक कराए। जिलाधिकारी ने बच्चों से संवाद किया। उन्होने निर्देश दिया कि बच्चों की उपस्थिति बढाई जाए। मिड डे मील के अर्न्तगत निर्धारित मीनू के अनुसार पौष्टिक भोजन दिया जाए। इसके साथ ही उन्हे खाने में हरी और मौसमी सब्जियां दी जाए। उन्होने शिक्षको को निर्देश दिया कि बच्चों में पढाई के अलावा संस्कार, नैतिक शिक्षा कि जानकारी दी जाए। इस मौके पर उप कृषि निदेशक हिमांशु पांडेय, उप परियोजना निदेशक आत्मा/जनपद स्तरीय मास्टर ट्रेनर डा0 रमेश चंद्र यादव, तहसीलदार सदर सौरभ कुमार, लेखपाल, पंचायत सहायक आदि मौजूद रहे।

बेसिक शिक्षा मंत्री और सचिव से अरविंद पांडे को मिला प्रशस्ति पत्र

जौनपुर(उत्तरशक्ति) । खंड शिक्षा अधिकारी बदलापुर अरविंद पाण्डेय को वर्ष 2023 में सुजानगंज और महाराजगंज ब्लॉक में 50 प्रतिशत से अधिक निपुण विद्यालय के मानक को पूर्ण करने पर बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह व बेसिक शिक्षा प्रमुख सचिव डॉ. एम. के. शण्मुगा सुंदरम द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस सम्मान को प्राप्त करने पर शिक्षकों ने उन्हें बधाई दी है। सम्मान मिलने पर खंड शिक्षा अधिकारी ने कहा कि कहा कि शिक्षक राष्ट्र निर्माण का कार्य करते हैं। उनका दर्जा सर्वोच्च है। कहा कि शिक्षकों को पूरी ईमानदारी व निष्ठा के साथ अपना कार्य को संपादित कर अपने स्कूल, कालेज व समाज को आगे ले जाने में अपनी भूमिका निभानी चाहिए।

अज्ञात कारणों से रिहायसी मण्डई जल कर राख

बिलरियागंज,आजमगढ़ (उत्तरशक्ति) । स्थानीय थाना क्षेत्र के भैसहा गाँव निवासी हिरावन शर्मा पुत्र शिवधन्नी शर्मा की बीती रात अज्ञात कारणों से रिहायसी मण्डई जलने से गृहस्ती का सामान जल कर राख हो गया और एक गाय भी झुलस गई। जानकारी के अनुसार बिलरियागंज थाना क्षेत्र के हिरावन शर्मा पुत्र शिवधन्नी शर्मा की रिहायसी मण्डई है । उसी मण्डई में गाय व बकरी और उनका पूरा परिवार रहता है। बीती रात परिवार के सभी सदस्य जानवरो को मण्डई में बाध करके सो रहे थे। तभी रात 11 बजे मण्डई के एक भाग से आग की लपटे देखकर परिवार के लोग आग को बुझाने का प्रयास करने लगे । इतने में गाँव के लोगो ने कड़ी मसक्कत करके आग पर काबू पा लिया । जिससे बड़ा हादसा होने से बच गया।

श्री बजरंग इंटर कॉलेज को जनपदीय प्रतियोगिता में मिला प्रथम स्थान

जौनपुर(उत्तरशक्ति) । जनपद के अग्रणी शिक्षण संस्थान श्री बजरंग इंटर कॉलेज, घनश्यामपुर के स्काउट के छात्रों को इंटर कॉलेज, सेनापुर में आयोजित जनपदीय स्काउट /गाइड प्रतियोगिता की जूनियर स्काउट ग्रुप में प्रथम स्थान मिलने पर विद्यालय प्रांगण में विजेता बच्चों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर कॉलेज के प्रधानाचार्य विनोद कुमार तिवारी, कमला प्रसाद तिवारी बड़े बाबू ,शशि भूषण मिश्रा, मयाशंकर तिवारी, राजेश मिश्रा, संजय तिवारी, शेर बहादुर मौर्य, हृदय प्रकाश तिवारी, प्रदीप सिंह, रामसागर सिंह, अशोक तिवारी,अजीत सिंह, राघवेंद्र सिंह, रमाशंकर शुक्ला, विजय प्रकाश तिवारी, संजय चतुर्वेदी, स्काउट टीचर जितेंद्र पांडे, संतोष कुमार तिवारी, संतोष चतुर्वेदी, शैलेंद्र कुमार सिंह, स्वतंत्र शुक्ला, अतुल कुमार, इंद्र प्रकाश सिंह, दीपिका पांडे, प्रज्ञा मिश्रा, चंद्रमा देवी , शमीम,देवपाल सिंह, चन्द्र बहादुर, राहुल गिरि समेत सभी शिक्षक शिक्षिकाएं उपस्थित रहे। कॉलेज के प्रबंधक अनिल कुमार सिंह ने विद्यालय की उपलब्धि के लिए सभी छात्रों को बधाई दी है।

नवकुंभ द्वारा दत्त जयंती पर राष्ट्रीय कवि सम्मेलन संपन्न

ठाणे। नवकुंभ साहित्यिक,सामाजिक एवं सांस्कृतिक राष्ट्रीय संस्थान के तत्वावधान में 7 एवं 8 दिसंबर 2024 को दत्त जयंती के शुभ अवसर पर आनलाइन राष्ट्रीय कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल कुमार राही ने किया तथा आयोजन राष्ट्रीय उप सचिव सीमा नयन, संरक्षिका ममता राजपूत हीर, सचिव धीरेन्द्र वर्मा धीर, उप सचिव योगेश बहुगुणा योगी, उपाध्यक्ष प्रीतम श्रावस्ती, कोषाध्यक्ष दिवाकर सिंह प्रबल, संयोजिका नूतन सिंह कनक, सह संयोजिका ममता सिंह अनिका ने किया। संस्था के राष्ट्रीय मिडिया प्रभारी विनय शर्मा दीप ने बताया कि मंच का संचालन सीमा नयन, योगेश बहुगुणा योगी एवं विनय शर्मा दीप ने किया। आमंत्रित साहित्यकारों में पश्चिम मुंबई से डॉ शशिकला पटेल, दिल्ली से शोभना कर्ण, मुंबई से अवधेश मासूम वैरागी नाचीज,युवा साहित्यकार पवन तिवारी, उमेश मिश्रा प्रभाकर ने अपने खूबसूरत प्रस्तुति से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया।अंत में संचालक ने उपस्थित सभी अतिथि साहित्यकारों एवं श्रोता साहित्यकारों का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए आभार व्यक्त किया।

ससुराल से लौट रहे मार्कंडेय धाम के पुजारी की दुर्घटना में मौत

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद के कैथी गांव निवासी संजय गिरी (40) पुत्र श्यामसुंदर अपने दोस्तों के साथ बाईक से सादात थाना क्षेत्र के मंगारी (गाजीपुर) स्थित अपने ससुराल गया था। शनिवार की रात लगभग नौ बजे वह अपने घर मार्कंडेय महादेव कैथी के लिए लौट रहे थे। इसी दौरान आजमगढ़-गाजीपुर बॉर्डर पर अमेदा पुल के पास गाजीपुर स्टेट हाईवे पर खड़े ट्रैक्टर में पीछे से टकरा गए। हादसे में संजय गिरी के सिर में गंभीर चोट लगने से खून बहने होने लगा। घटना की सूचना मिलने पर स्थानीय पुलिस ने घायलों को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर ले गए।जहां डॉक्टरों ने संजय को मृत घोषित कर दिया। वहीं, बाइक पर सवार आदित्य गिरी,हिमांशु गिरी जो गंभीर रूप से घायल हैं।उनका इलाज कराया जा रहा है। घटना की जानकारी मिलने पर कैथी गांव में कोहराम मच गया। मृतक होमगार्ड के साथ ही मार्कंडेय महादेव मंदिर का पुजारी भी था। उसको दो पुत्र हैं। पत्नी सरोज गिरी के साथ मां-पिता और बेटे लव-कुश का बुरा हाल था।

जिला परिषद रत्नागिरी और रेनट्री फाउंडेशन ने समावेशी विकास के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

मुंबई(उत्तरशक्ति)। जिला परिषद रत्नागिरी और रेनट्री फाउंडेशन ने आज रत्नागिरी जिले के समग्र और एकीकृत विकास के लिए पर्यावरण संरक्षण, जलग्रहण विकास, ग्रामीण आजीविका और सामुदायिक कल्याण के क्षेत्र में एक साथ काम करने के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। इस पहल में समावेशिता और मानसिक स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। महिलाओं और हाशिए पर रहने वाले समूहों को प्राथमिक हितधारकों के रूप में प्राथमिकता दी जाएगी, साथ ही स्थानीय संस्थानों को सशक्त बनाने पर भी जोर दिया जाएगा। कीर्ति किरण पुजार, चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर, जिला परिषद रत्नागिरी ने इस साझेदारी पर टिप्पणी करते हुए कहा, रत्नागिरी में,

हम पूरे जिले में विभिन्न विकासात्मक और स्थिरता पहल को सफलतापूर्वक लागू करते आ रहे है, जिससे हमारे समुदायों की प्रगति और विकास सुनिश्चित हो सके। रेनट्री फाउंडेशन के साथ यह साझेदारी हमारे चल रहे प्रयासों में अतिरिक्त विशेषज्ञता और सटीक दृष्टिकोण लेकर आएगी, जिससे हमारा प्रभाव और भी अधिक सशक्त होगा। प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण करते हुए समुदायों में विकास को बढ़ावा देना हमें जिले के समग्र विकास की दिशा में कार्य करने में सक्षम बनाता है। साथ मिलकर, हम रत्नागिरी को न केवल महाराष्ट्र में ही नहीं, बल्कि पूरे भारत में एक आदर्श जिला बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं, जहां सुदृढ़ पारिस्थितिक तंत्र और सशक्त समुदायों को बढ़ावा मिलेगा। सुश्री लीना दांडेकर, रेनट्री फाउंडेशन की संस्थापक ने इस अवसर पर कहा,"रेनट्री फाउंडेशन में, हमारा मिशन हमेशा स्थायी और समावेशी विकास के माध्यम से सशक्त समुदायों और मजबूत पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण करना रहा है। पुणे के वेल्हे में हमारे काम ने दिखाया है कि स्थानीय समुदायों को शामिल करने से कितना सकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है।

तालाब में मिला घर से लापता युवती का शव

बलरामपुर। कंधरापुर थाना क्षेत्र के भोर्रा मकबूलपुर गांव के पास तालाब में युवती का शव मिला। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव की शिनाख्त कर उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। युवती के भाई ने हत्या की आशंका जताई है। बताया कि बहन आठ दिसंबर की भोर से ही लापता हुई थी। इसे लेकर कंधरापुर थाने में भी गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई गई थी। कंधरापुर थाना क्षेत्र के भोर्रा मकबूलपुर गांव निवासी पूजा यादव (20) के भाई राहुल की शादी चार दिसंबर को थी। घर पर मेहमानों का जुटान था। शादी बीत जाने के बाद भी कुछ मेहमान राहुल के घर थे। राहुल ने बताया कि आठ दिसंबर की भोर में बहन पूजा किसी को दिखाई नहीं दी।

बी एस वी एस रजिस्टर्ड मेंबर क्रिकेट टूनार्मेंट में साउथ एक्सप्रेस टीम ने मारी बाजी

मुंबई, (उत्तरशक्ति)। 15 दिसंबर 2024 दिन रविवार को, वसंत दादा पाटिल टर्फ नेहरू नगर चेंबूर मुंबई में बिंद समाज विकास संघ द्वारा आयोजित बी एस वी एस रजिस्टर्ड मेंबर क्रिकेट टूनार्मेंट में साउथ एक्सप्रेस ने खेल मिलन ट्रॉफी अपने नाम कर ली। इस बी एस वी एस रजिस्टर्ड मेंबर क्रिकेट बॉक्स टूनार्मेंट में कुल 6 टीमों ने भाग लिया। वेस्टर्न एक्सप्रेस कप्तान बिनोद बिंद, साउथ एक्सप्रेस कप्तान डॉ शेषधर बिंद, सेंट्रल ईस्ट एक्सप्रेस कप्तान अशोक कुमार नाविक, सेंट्रल वेस्ट एक्सप्रेस कप्तान अजय बिंद, नार्थ एक्सप्रेस कप्तान धर्मपाल बिंद,नार्थ ईस्ट एक्सप्रेस कप्तान सरोज कुमार केवट इन सभी टीमों को पीछे छोड़ती हुई संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ शेषधर बिंद की अगुवाई में साउथ एक्सप्रेस टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त कर बी एस वी एस रजिस्टर्ड मेंबर बॉक्स क्रिकेट टूनार्मेंट की खेल मिलन ट्रॉफी अपने नाम कर ली। संघ के राष्ट्रीय संगठन मंत्री धर्मपाल बिंद की अगुवाई में अपनी बेहतरीन खेल प्रतिभा दिखाती हुई नॉर्थ एक्सप्रेस टीम ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। हालांकि मुंबई के कोने-कोने से आई हुई सभी 6 टीमों ने और सभी खिलाड़ियों ने बेहतरीन प्रदर्शन किया। खिलाड़ियों ने चौकों, छक्कों की झड़ी लगा दी। उपस्थित लोगों की तालियों की गड़गड़ाहट से खेल परिसर गूंज उठा। सभी गेंदबाजों ने अपने चालाकी भरी गेंदबाजी से सभी आम जनता को मन मुग्ध कर दिया। मैन ऑफ द सीरीज मैन, ऑफ द मैच बेहतरीन फील्डिंग और बेहतरीन गेंदबाजी तथा दोनों विजेता टीम को संघ के पदाधिकारियों ने ट्रॉफी और पुष्प गुच्छ देकर सम्मानित किया। यह खेल मिलन प्रतियोगिता में बिंद समाज के अलावा सर्व समाज के खिलाड़ियों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। सभी टीमों और खिलाड़ियों को इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए संघ के कार्यकर्ता एवं पदाधिकारियों ने बहुत-बहुत धन्यवाद दिया।

बिना जरूरत के लोन लेने से बचें, समय पर भुगतान जरूरी: अजय प्रजापति

मुंबई (उत्तरशक्ति)। वर्तमान समय में, जहां बैंक और अन्य वित्तीय संस्थान लोन लेने की सुविधा को बढ़ावा दे रहे हैं, वहीं वित्तीय विशेषज्ञ अजय प्रजापति ने सतर्कता बरतने की सलाह दी है। उन्होंने कहा कि बिना जरूरत के लोन लेना व्यक्ति की आर्थिक स्थिति पर गहरा असर डाल सकता है। लोन लेने से पहले जरूरी बातें: वास्तविक जरूरत का आकलन करें, लोन लेने से पहले यह सुनिश्चित करें कि क्या वास्तव में आपको इसकी आवश्यकता है। अनावश्यक लोन न केवल आपके बजट पर बोझ डाल सकता है, बल्कि आपके भविष्य की बचत योजनाओं को भी प्रभावित कर सकता है। भुगतान की क्षमता का विश्लेषण करें: लोन लेने से

पहले अपनी आय और खर्चों का आकलन करें ताकि समय पर ईएमआई का भुगतान किया जा सके।

समय पर भुगतान की प्राथमिकता: अजय प्रजापति ने जोर दिया कि लोन की ईएमआई समय पर चुकाना न केवल आपकी क्रेडिट स्कोर को सुधारता है, बल्कि भविष्य में अन्य वित्तीय जरूरतों के लिए लोन प्राप्त करने में भी मददगार साबित होता है। अनावश्यक लोन के खतरे,

ब्याज का बोझ: अतिरिक्त ब्याज दरें आर्थिक तनाव पैदा कर सकती हैं। क्रेडिट स्कोर पर नकारात्मक प्रभाव: समय पर भुगतान न करने से क्रेडिट स्कोर खराब हो सकता है, जिससे भविष्य में लोन लेना मुश्किल हो जाता है। अनावश्यक खर्चों की आदतः बिना सोचे-समझे लोन लेने से वित्तीय अनुशासन पर असर पड़ सकता है।

वित्तीय अनुशासन की आवश्यकता अजय प्रजापति ने सुझाव दिया कि आर्थिक स्थिरता बनाए रखने के लिए लोगों को अपने खर्चों और आय के बीच संतुलन बनाना चाहिए। अनावश्यक लोन न केवल आपके वर्तमान वित्तीय स्वास्थ्य को प्रभावित करता है बल्कि भविष्य में बचत और निवेश की संभावनाओं को भी सीमित करता है।

निष्कर्ष: लोन लेना कभी-कभी आवश्यक हो सकता है, लेकिन यह एक जिम्मेदारी है जिसे समझदारी और योजना के साथ पूरा करना चाहिए। अजय प्रजापति की सलाह उन लोगों के लिए मार्गदर्शक हो सकती है जो बिना किसी ठोस कारण के कर्ज लेने की योजना बना रहे हैं।

वकील संघ की नरेंद्र मेहता से मांग: एड.राजकुमार मिश्रा को मिले नगरसेवक का टिकट

भायंदर। मीरा भायंदर एडवोकेट वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा विधायक नरेंद्र मेहता की शानदार जीत के उपलक्ष में अभिनंदन समारोह का भव्य आयोजन किया गया। समारोह में भारी संख्या में उपस्थित वकीलों ने मेहता से अपने प्रतिनिधि के रूप में युवा अधिवक्ता एडवोकेट राजकुमार मिश्रा को प्रभाग क्रमांक दो से महानगर पालिका में उम्मीदवार बनाये जाने की मांग की। वकीलों का कहना था कि मेहता को मिली बड़ी जीत के पीछे वकीलों ने जमकर मेहनत की। उनकी इच्छा है कि उनके समाज से जुड़े एक व्यक्ति को महानगरपालिका का टिकट दिया जाए। वकीलों ने एक स्वर में एडवोकेट राजकुमार मिश्र के नाम का समर्थन करते हुए उन्हें टिकट दिए जाने की वकालत की। इस अवसर पर वरिष्ठ अधिवक्ता तथा संस्था के अध्यक्ष एडवोकेट एच आर शर्मा , एडवोकेट साउद भाई, एडवोकेट शरद, एडवोकेट अरुण दुबे, एडवोकेट विवेक शर्मा, डॉक्टर रॉय सहित बड़ी संख्या में अधिवक्ता गण उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन भारत सरकार के नोटरी एडवोकेट आरजे मिश्रा ने किया। ज्ञातव्य हो कि राजकुमार मिश्रा ने कांग्रेस में बड़े पद पर होने के बावजूद इस्तीफा देकर नरेंद्र मेहता का खुलकर समर्थन किया तथा बड़ी संख्या में वकीलों तथा उत्तर भारतीय समाज के लोगों को मेहता के पक्ष में वोट देने के लिए राजी किया था।

जौनपुर :CTET परीक्षा में दूसरे के स्थान पर परीक्षा देते हुए अलग अलग थाने की दो अभियुक्ता गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जफराबाद पुलिस चन्द्रेश सिंह चिल्ड्रेन एकेडमी जगदीशपुर जौनपुर में ड्यूटी के दौरान कालेज के उपप्रधानाचार्य द्वारा अभिलेखो का मिलान कालेज के कर्मचारियों द्वारा किया जा रहा था कि अभ्यार्थी पूनम यादव पुत्री शिवशंकर यादव के स्थान पर मीरा चौहान पत्नी जिलेदार चौहान उम्र-32 वर्ष ग्राम कटघरा थाना लाइनबाजार जौनपुर को धोखधड़ी और आधार कार्ड में छेड़छाड़ करके परीक्षा देते हुए पकड़े जाने पर मौके से गिरफ्तार किया गया। जिसके सम्बन्ध में थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0 258/24 धारा 318(4) /319(2)/338/336(2)/340 BNS व 6/10 उ0प्र0 सार्वजनिक परीक्षा अधिनियम पंजीकृत किया गया । गिरफ्तार अभियुक्त मीरा चौहान पत्नी जिलेदार चौहान उम्र-32 वर्ष ग्राम कटघरा थाना लाईनबाजार जौनपुर को आवश्यक कार्यवाही उपरान्त सम्बन्धित न्यायालय भेजा जा रहा है वही इसकी क्रम में थानाध्यक्ष प्रदीप कुमार मय हमराह के भ्रमणशील थे कि CTET परीक्षा केन्द्र माउण्ट लिटेरा जी स्कूल फतेहगंज में प्रधानाचार्या द्वारा अभ्यर्थीयों के अभिलेखो का मिलान अभ्यार्थी ब्यूटी यादव पुत्री राम आसरे यादव निवासी खानपुर अंगुली थाना खुटहन जिला जौनपुर के स्थान पर शिखा यादव पुत्री इन्दल प्रसाद यादव नि0 काजीशाहपुर पोस्ट खुटहन थाना खुटहन जौनपुर को धोखधड़ी और आधार कार्ड में छेड़छाड़ करके परीक्षा देने की सूचना पर पकडा गया। प्रधानाचार्या द्वारा दिये गये तहरीर के आधार पर थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0 460/24 धारा 318(4)/ 319(2)/ 338/ 336(2)/ 340 BNS व 6/10 उ0प्र0 सार्वजनिक परीक्षा अधिनियम पंजीकृत करते हुए अभियुक्ता शिखा यादव पुत्री इन्दल प्रसाद यादव नि0 काजीशाहपुर पोस्ट खुटहन थाना खुटहन जौनपुर को गिरफ्तार कर सम्बन्धित न्यायालय भेजा जा रहा है।

राजकुमार पटेल बने इलाहाबाद पत्रकार एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष

फाफामऊ। इलाहाबाद पत्रकार एसोसिएशन की शीर्ष बैठक सोमवार को शांतिपुरम फाफामऊ स्थित प्राची हॉस्पिटल के हॉल में संपन्न हुई। बैठक में राजकुमार पटेल संगठन के जिलाध्यक्ष चुने गए। बैठक में सर्व प्रथम वक्ताओं ने पत्रकार परिचायिका, परिचय पत्र पत्रकारों की सुरक्षा हेतु चर्चा की गई। बैठक में जिलाध्यक्ष पद लिए के लिए तीन प्रत्याशियों ने चुनाव लड़े जिसमें राजकुमार पटेल प्रथम स्थान पाकर पहले स्थान पर रहे जबकि श्याम कृष्ण शुक्ला उर्फ पिंटू शुक्ल दूसरे स्थान पर और एथलेश तिवारी तीसरे स्थान पर रहे। संगठन के संरक्षक सुभाष चंद्र मिश्रा ने जिला अध्यक्ष को पद गोपनीयता की शपथ दिलाई। बैठक में गोपी चंद्र केसरवानी, राम कुमार प्रजापति, मोहम्मद कयूम, रवि दुबे, विजय पटेल, अनिल सोनी, मोहम्मद हाफिज, मनीष पटेल पंकज यादव, धनंजय पांडेय, आलोक प्रकाश, महेंद्र शुक्ला, रमेश यादव, राकेश यादव, अंकित मिश्रा, धीरेंद्र केसरवानी, रतन सिंह चौहान, उमेश तिवारी, अमर बहादुर चौरसिया, सुरेश मौर्य, मुस्ताक अहमद, महेंद्र वैश्य, अश्वनी मिश्रा, डीके यादव, संदीप मोदनवाल सहित कई दर्जन पत्रकार उपस्थित रहे।

प्लेटिनम लव बैंड्स से अपना कमिटमेंट प्रदर्शित करें: जो है आपके प्यार की तरह ही दुर्लभ, बहुमूल्य और अटूट

मुंबई(उत्तरशक्ति)। कड़कड़ाती ठंड ने हवा में रोमांस की लहर दौड़ा दी है, और युगलों के लिए अपना कमिटमेंट दिखाने का मंच तैयार कर दिया है। शादियों की धूम और एनिवर्सरी मनाने की तैयारियाँ हो रही हैं, जिससे प्रदर्शित होता है कि चाहे किसी रूप में हो, हर जगह वातावरण प्यार समाया हुआ है। युगल अपने स्वाभाविक प्यार के साथ एक दूसरे के मिजाज और गलतियों को अपना रहे हैं। वो मिलकर डर और संदेह से आगे बढ़ रहे हैं, और एक ऐसे भविष्य में प्रवेश कर रहे हैं, जो प्यार की शक्ति द्वारा लिखा गया है। इन महत्वपूर्ण लम्हों में केवल एक मैटल है, जो इस दुर्लभ और बहुमूल्य प्यार की गहराई को प्रतिबिंबित कर सकता है, और वह है, प्लेटिनम क्योंकि यह मैटल भी उतना ही दुर्लभ और बहुमूल्य है। प्लेटिनम का जन्म सितारों में हुआ और लगभग 2 बिलियन साल पहले यह एक उल्का द्वारा धरती पर लाया गया। यह दुर्लभ मैटल दुनिया में बहुत कम स्थानों पर पाया जाता है, और सोने से 30 गुना ज्यादा दुर्लभ है। इस बहुत कठोर मैटल है, जो न तो अपना रूप खोता है, और न ही अपनी प्राकृतिक सफेद चमक। इसलिए यह दुर्लभ प्यार की दृढ़ता और निरंतरता को प्रतिबिंबित करता है। जिस प्रकार प्लेटिनम कभी अपनी चमक कम नहीं होने देता, वैसे ही जिस प्यार का यह प्रतिनिधित्व करता है, वह भी अटूट और शाश्वत है। 95 प्रतिशत शुद्ध और दुर्लभ प्लेटिनम से बने प्लेटिनम लव बैंड्स केवल आभूषण ही नहीं हैं, बल्कि वो प्यार का प्रतीक हैं। ये लव बैंड्स आधुनिक संबंधों को प्रदर्शित करते हैं। एक दूसरे के व्यक्तित्व को अपनाते हैं, पारस्परिक सफलताओं की खुशी मनाते हैं, और जीवन के दायित्वों को साझा करते हैं। इनकी बेहतरीन संरचनाएं, फ्लुड लाईन और हर बैंड के खूबसूरत मोटिफ इन सिद्धांतों को आत्मसात करते हैं। चाहे मिनिमलिस्ट और चिक स्टाईल हो या फिर कालातीत सौंदर्य, प्लेटिनम लव बैंड्स का विस्तृत संग्रह प्यार के लिए समर्पित युगलों के दिलों में उतर जाता है। अपनी समृद्ध विरासत और आधुनिक अपील के साथ प्लेटिनम आज के डिजाइन ट्रेंड्स को अद्वितीय आभूषणों में उतार रहा है, जो आपकी व्यक्तिगत प्रेम कहानी का वर्णन करने के लिए उपयुक्त हैं। प्लेटिनम लव बैंड्स चुनकर आप प्यार का ऐसा प्रतीक चुनते हैं, जो पारंपरिकता के साथ आधुनिकता का मेल कराता है। यह आपके प्यार के पूरे सफर में सदैव खूबसूरत बना रहने के लिए डिजाइन किया गया है। अपने संबंधों के महत्वपूर्ण लम्हों की यादें संजोने और अपने रिश्ते के स्थायी प्रतीक के रूप में अपने प्यार की अटलता को प्रदर्शित होने दें।

वांछित अभियुक्त समेत दो गिरफ्तार पुलिस

शाहगंज, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। पुलिस अधीक्षक डा0 अजय पाल शर्मा के निर्देशन में अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक नगर अरविन्द वर्मा के दिशा निर्देशन व क्षेत्राधिकारी शाहगंज अजीत सिंह चौहान के पर्यवेक्षण में पुलिस टीम ने धारा 103(1), 61(2), 238 भारतीय न्याय संहिता 2023 व 3(2)5 एससी/एसटी एक्ट में नामजद अभियुक्त अक्षय कुमार उर्फ लाला पुत्र राधेश्याम बिन्द निवासी ग्राम सुरिस थाना शाहगंज एवं सतेन्द्र यादव पुत्र सेवा लाल यादव निवासी ग्राम सुरिस थाना शाहगंज को क्षेत्र के रोडवेज शाहगंज से गिरफ्तार कर चालान न्यायालय भेज दिया। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में प्र0नि0 दीपेंद्र सिंह, उ0नि0 सन्तोष शुक्ला, आ0 ज्ञान प्रकाश सिंह, आ0 सुनील यादव शामिल रहे।

अल्ट्राटेक अंतर्देशीय जलमार्गों का इस्तेमाल कर सस्टेनेबल ट्रांसपोर्टेशन को दे रही बढ़ावा

मुंबई(उत्तरशक्ति)। भारत की सबसे बड़ी सीमेंट और रेडी-मिक्स कंक्रीट कंपनी अल्ट्राटेक सीमेंट लिमिटेड एक पायलट प्रोजेक्ट के तहत राष्ट्रीय जलमार्ग (नेशनल वॉटरवे) 1 (गंगा भागीरथी-हुगली रिवर सिस्टम) के माध्यम से खनिज जिप्सम की एक बड़ी खेप की ढुलाई के लिए अंतर्देशीय जलमार्गों का इस्तेमाल कर रही है। अल्ट्राटेक इतने बड़े पैमाने पर जिप्सम की ढुलाई के लिए राष्ट्रीय जलमार्ग 1 का इस्तेमाल करने वाली भारत की पहली सीमेंट कंपनी है. केंद्रीय पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री सबार्नंद सोनोवाल ने जी. आर. जेट्टी कोलकाता से इस पायलट मुवमेंट को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया. इस पायलट प्रोजेक्ट में अल्ट्राटेक की भागीदारी को इनलैंड वाटरवेज अथॉरिटी ऑफ इंडिया (आईडब्ल्यूएआई) और इनलैंड एंड कोस्टल शिपिंग लिमिटेड का समर्थन मिला जो शिपिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एससीआई) की पूर्ण स्वामित्व वाली सब्सिडियरी है. इस खेप को पश्चिम बंगाल के हल्दिया बंदरगाह से गंगा-भागीरथी-हुगली रिवर सिस्टम के जरिए बिहार के पटना स्थित गायघाट टर्मिनल भेजा जा रहा है. यह खेप बिहार के पटना जिले में स्थित अल्ट्राटेक सीमेंट की ग्राइंडिंग यूनिट पाटलीपुत्र सीमेंट वर्क्स को भेजी जा रही है. अल्ट्राटेक सीमेंट लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर के सी झंवर ने कहा, अल्ट्राटेक के टिकाऊ (सस्टेनेबल) लॉजिस्टिक प्रैक्टिस की दिशा में आगे बढ़ने में नए और नवोन्मेषी परिवहन समाधान (इनोवेटिव ट्रांसपोर्ट सॉल्यूशन) की अग्रणी भूमिका है. इस पायलट के माध्यम से हमें मैरिटाइम इंडिया विजन 2030 और मैरिटाइम अमृत काल विजन 2047 के अनुरूप अंतर्देशीय जलमार्गों के इस्तेमाल को बढ़ावा देने को लेकर भारत सरकार के साथ साझेदारी करते हुए गर्व हो रहा है. राष्ट्रीय जलमार्ग (नेशनल वाटरवे) 1 के जरिए ये पायलट मुवमेंट 2050 तक नेट जीरो लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए ग्रीन लॉजिस्टिक्स के प्रति अल्ट्राटेक की प्रतिबद्धता को दिखाता है।

केंद्रीय ऊर्जा राज्य मंत्री श्रीपाद नाइक द्वारा हिंदू महा सम्मेलन प्रतीक चिन्ह का विमोचन

गोवा। केंद्रीय ऊर्जा राज्य मंत्री श्रीपद नाइक ने कार्यक्रम आयोजक उत्तम कुमार और गौरक्ष हरीश राजपूत की उपस्थिति में वर्ष में प्रतिवर्ष आयोजित होने वाले हिंदू महासम्मेलन 2025 का प्रतीक चिन्ह जारी किया। यह शनिवार और रविवार 11 और 12 जनवरी 2025 को वर्ष के अयप्पा मंदिर के सभा मंडपम में आयोजित किया जाएगा। पिछले साल श्रीपाद नाइक इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल हुए थे. इस मौके पर श्रीपाद नाइक ने कार्यक्रम की बधाई दी. उन्होंने उत्तम कुमार द्वारा दिये गये कार्यक्रम के निमंत्रण को स्वीकार कर लिया है. उत्तम कुमार ने बताया कि कार्यक्रम का उद्घाटन श्रीपाद नाइक करेंगे। उत्तम कुमार ने बताया कि कार्यक्रम में देशभर से संत महंत शामिल होंगे और हिंदू महासम्मेलन का यह 5वां साल है।